MUMBAI TARANG TM

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

विश्वास और प्रेम में एक समानता हैं दोनों में से कोई भी जबरदस्ती नहीं किया जा सकता है !!

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-10 ❖ मुंबई ❖ रविवार 28 फरवरी से 06 मार्च 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
टोल और पेट्रोल से लूट रहे हैं मोदी-नाना पाटोले

पेज 5
बनारस के कारीगरों से पीएम मोदी ने किया संवाद, दुनिया में खिलौना कैसे पहुंचाएं?

पेज 7
बोनी कपूर की फिल्म 'नो एंट्री' से कमबैक कर रहे हैं फरदीन खान, निर्देशक अनीस बज्मी ने बताई सच्चाई

पेज 8
सत्य-प्रेम-करुणा के ऊद्गातासंत मोरारी बापू द्वारा गंगासागर पर कथा गान

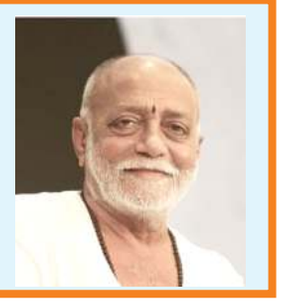

'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सूरत में किया रोड शो, कहा-गुजरात के लोग दोनों पार्टियों से तंग हो गए

सूरत महानगरपालिका में आम आदमी पार्टी (AAP) की ओर से हुए अच्छे प्रदर्शन के बाद शुक्रवार के दिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सूरत में रोड शो कर जनता को धन्यवाद कहा और साथ ही बीजेपी, कांग्रेस पर जमकर हमला बोला. सूरत महानगरपालिका में 'आप' के अच्छे प्रदर्शन के चलते विरोधी पार्टी बनने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों को धन्यवाद दने और शक्ति प्रदर्शन के लिए रोड शो किया.. गुजरात में पहली बार महानगर पालिका का चुनाव लड़ते हुए सूरत महानगर पालिका के चुनाव में 'आप' ने 120 में से 27 सीटें अपने नाम कीं. इस मौके पर केजरीवाल ने कहा, 'गुजरात के लोग संदेश देना चाहते है कि वो दोनों पार्टियों से तंग आ चुकी है और दोनों को खत्म करना चाहते हैं. एक पार्टी तुष्टिकरण की राजनीति करती है, दूसरी नफरत की राजनीति करती है. जनता को राजनीति नहीं, स्कूल, विकास और नौकरी चाहिए. बीजेपी ने गुजरात में हुए सभी 6 महानगरपालिका चुनावों में बहुमत हासिल किया है. पार्टी ने 576 सीटों में से 483 सीट अपने नाम किया है. सूरत में 120 सीटों में से 93 बीजेपी के पास हैं और बाकी आम आदमी पार्टी के पास.

सूरत में केजरीवाल के रोड शो पर गुजरात बीजेपी अध्यक्ष के हमले का केजरीवाल ने दिया जवाब

सूरत में केजरीवाल के रोड शो पर गुजरात बीजेपी अध्यक्ष के हमले का केजरीवाल ने दिया जवाब

'गुजरात में पहली बार किसी ने BJP को आंख दिखाई है' सूरत में जीत से गदगद केजरीवाल बोले

'गुजरात में पहली बार किसी ने BJP को आंख दिखाई है' सूरत में जीत से गदगद केजरीवाल बोले

रिपोर्ट्स

CM अरविंद केजरीवाल की Z प्लस सिक्योरिटी नहीं हुई कम, दिल्ली पुलिस ने खारिज की रिपोर्ट्स 'गुजरात में पहली बार किसी ने BJP को आंख दिखाई है' सूरत में जीत से गदगद केजरीवाल बोले पिछले चुनाव में 36 सीट जीतने वाली कांग्रेस इस चुनाव में सूरत में अपना खाता भी नहीं खोल पाई, जिसके बाद अब आम आदमी पार्टी सूरत महानगरपालिका में विरोधी पार्टी बन चुकी है. केजरीवाल ने इस मौके पर कहा, 'आपने बीजेपी को 25 साल दिए हैं, हमें 5 साल दीजिए. हम उनसे बेहतर प्रदर्शन कर दिखाएंगे.' 'आप' को सूरत में मिले जीत की एक बड़ी वजह पाटीदार समाज को माना जा रहा है जो बीजेपी से नाराज़ है. पिछले चुनाव में जहां पाटीदारों का वोट कांग्रेस को मिला था और राज्य में कांग्रेस का नेतृत्व भी इसी समाज से आने वाले हार्दिक पटेल कर रहे हैं, वहीं पार्टी प्रवक्ता मानते हैं कि कांग्रेस के नेताओं के बीच चल रहे अंदरूनी लड़ाई का असर इस चुनाव में देखने मिला

CM अरविंद केजरीवाल की Z प्लस सिक्योरिटी नहीं हुई कम, दिल्ली पुलिस ने खारिज की रिपोर्ट्स कांग्रेस प्रवक्ता संजय पटवा खराब प्रदर्शन का कारण बताते कहते हैं, 'कई नेताओं के बीच अंदरूनी झगड़े चल रहे हैं. ऐन मौके पर कई बदलाव किए गए. साथ ही कोई राज्य या केंद्र का बड़ा नेता यहां प्रचार करने नहीं पहुँचा. सूरत महानगर पालिका चुनाव में विरोधी दल बनने के बाद 'आप' अब अपने को गुजरात में एक तीसरे विकल्प के तौर पर पेश करने की कोशिश करती नज़र आ रही है. इसलिए इतने बड़े पैमाने में रोड शो का आयोजन पार्टी की ओर से किया गया.लेकिन क्या वाकई पार्टी एक नए विकल्प के तौर पर राज्य में उभरेगी, यह तो वक्त ही बताएगा.

भारी मतों से जीतकर आये आप पार्टी के सूरत के वार्ड 16 के सामाजिक कार्यकर्त्ता विपुलभाई डी मोवलीया

"डोर टू डोर जाकर लोगों की समस्या को सुनेंगे

नगरसेवक विपुलभाई डी मोवलीया (सूरत के वार्ड 16)

सूरत। सूरत नगर निगम चुनाव में पहली बार आम आदमी पार्टी ने चुनाव लड़ा और इतिहास रचते हुए इनकी पार्टी के २७ उम्मीदवार चुनाव जीतकर आये, जिसका कारण शायद अरविंद केजरीवाल की अच्छी छवि व अच्छे उम्मीद्वारों के चयन के कारण यह संभव हो पाया। ऐसे ही सूरत के सामाजिक संस्था श्री कामधेनू धुन सेवा सत्संग मंडल के अध्यक्ष विपुलभाई डी मोवलीया है, जो भारी बहुमत से सूरत के वार्ड १६ से जीत कर आये है। जिन्होंने पूरे करोना काल में 'लॉकडाउन' के चलते कई हज़ारों जरूरतमन्दों को भोजन का इंतज़ाम किया और उनकी मदद की। कई संस्थाओं से जुड़े से है और दो गौशाला का भी देखरेख करते है। नगरसेवक के तौर पर जीतकर आये विपुलभाई मोवलीया कहते है," सूरत की जनता को मैं बहुत बहुत धन्यवाद देता हूँ कि हम लोगों को इतने भारी बहुमत से

जिताया। अब हमलोग अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए डोर टू डोर जाकर लोगों की समस्या को सुनेंगे और दूर करने की पूरी कोशिश करेंगे।और हमारी प्राथमिकता बच्चों की शिक्षा संबंधी समस्याओं को दूर करके लोगों को अच्छी और सस्ती देने का प्रयास रहेगा।"

बंगाल में दीदी की हैटट्रिक

असम में फिर बीजेपी सरकार, केरल में दोबारा लाल परचम, तमिलनाडु में स्टालिन का जादू- सर्वे

नई दिल्ली, पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। इस बीच एबीपी न्यूज-सी-वोटर के ताजा ऑपिनियन पोल में पांचों राज्यों के सियासी मिजाज को भांपने की कोशिश की गई। पश्चिम बंगाल में टीएमसी फिर सरकार बनाती दिख रही है। हालांकि, उसकी सीटें कुछ घटेंगी लेकिन ममता बनर्जी लगातार तीसरी बार सूबे की सीएम बन सकती हैं। असम में एक बार फिर बीजेपी की सरकार बन सकती है। पुडुचेरी से भी बीजेपी के लिए गुड न्यूज है जहां पहली बार पार्टी सत्ता का स्वाद चख सकती है। सर्वे के मुताबिक तमिलनाडु में इस बार सत्ता परिवर्तन के आसार हैं। केरल में एक बार फिर लेफ्ट की सरकार

बन सकती है।

--पश्चिम बंगाल में दीदी का जलवा कायम

सर्वे के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी जीत की हैटट्रिक लगा सकती हैं। 294 सीटों वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा में टीएमसी को 148 से 164 सीटें मिल सकती हैं। पिछली बार 3 सीटें जीतने वाली बीजेपी को जबरदस्त फायदा होता दिख रहा है लेकिन सत्ता में आने का उसका ख्वाब पूरा होता नहीं दिख रहा। बीजेपी को 92 से 108 सीटें मिल सकती हैं। वहीं लेफ्ट-कांग्रेस गठबंधन के खाते में 31 से 39 सीटें आ सकती हैं। बात अगर वोटशेयर की करें तो टीएमसी को 43 प्रतिशत, बीजेपी को 38 प्रतिशत और लेफ्ट-कांग्रेस गठबंधन को 13 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं।

--ग्रेटर कोलकाता में टीएमसी का जादू

ग्रेटर कोलकाता में टीएमसी का जादू देखने को मिल सकता है। इस रीजन की कुल 35 सीटों में से टीएमसी के खाते में 26 से 30 सीटें मिल सकती हैं। बीजेपी को 2 से 6 और कांग्रेस-लेफ्ट गठबंधन को 2 से 4 सीटें मिल सकती हैं।

--उत्तर बंगाल में बीजेपी का दबदबा

सर्वे के मुताबिक, उत्तर बंगाल में बीजेपी सत्ताधारी टीएमसी को तगड़ा झटका दे सकती है। रीजन की कुल 56 सीटों में बीजेपी को 21 से 25 सीटें मिल सकती हैं। टीएमसी को 14-18 और कांग्रेस-लेफ्ट गठबंधन को 13 से 15 सीटें मिल सकती हैं। --दक्षिण-पूर्व बंगाल में टीएमसी की भरेगी झोली बांग्लादेश से सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल रीजन में टीएमसी की झोली भर सकती है।

महाराष्ट्र में फिर बढ़ा कोरोना का कहर

चार महीनों बाद सबसे ज्यादा केस सामने आए

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना की दूसरी लहर का संकट मंडरा रहा है। बुधवार के दिन एक बार फिर कोरोना के मामलों में वृद्धि देखी गई। राज्य में बुधवार को 8,807 संक्रमितों की पहचान हुई। 2,772 मरीज ठीक हुए और 80 की मौत हो गई। यह 18 अक्टूबर के बाद सबसे ज्यादा आंकड़ा है। तब 9,060 मरीजों की पहचान हुई थी। अब तक 21.21 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं, इनमें 20.08 लाख लोग ठीक हो चुके हैं। 51,937 ने इस महामारी से जान गंवाई है। 59,358 का इलाज चल रहा है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई की बात करे तो 119 दिन बाद 1 हजार से अधिक कोरोना मामले पाए गए हैं। मुंबई में बुधवार को 1167 नए कोरोना मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि कोरोना के कारण चार लोगों की जान चली गई। मुंबई में 23 फरवरी के दिन 643 नए कोरोना मामले पाए गए थे। इससे पहले 22 फरवरी के दिन 760, 21 फरवरी के दिन 921 मामले और 20 फरवरी के दिन 897 नए कोरोना मामले पाए गए थे। महाराष्ट्र में पिछले सात दिनों में आए कोरोना मामलों पर नजर डाले तो, 24 फरवरी को- 8807 (80 मौत), 23 फरवरी को- 6218 (51 मौत), 22 फरवरी को- 5210 (18 मौत), 21 फरवरी को- 6971 (35 मौत), 20 फरवरी को- 6281 (40 मौत), 19 फरवरी को- 6112 (44 मौत), 18 फरवरी- 5427 (38 मौत) मामले सामने आए हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए मंत्रालय में काम करने वाले विभागों के लिए एक पत्र जारी किया है। कोरोना के मद्देनजर संबंधित विभाग के सचिवों को कर्मचारियों की उपस्थिति के बारे में फैसला लेने के लिए कहा गया है और विकल्प सुझाए गए हैं कि कि मंत्रालय में भीड़ कम करने के लिए कर्मचारियों को अल्टरनेट दिन बुलाएं, या हफ्ते में 3 दिन बुलाएं या एक-एक हफ्ते की शिफ्ट में बुलाएं।

अब घर-घर जाकर होगी कोरोना जांच

मुंबई, मुंबई में कोरोना के बढ़ते मामलों को नियंत्रण में लाने के लिए बीएमसी (BMC) ने अब घर-घर जाकर कोरोना जांच करने का फैसला किया है।

फिलहाल यह जांच कंटेनमेंट इलाके में जाकर की जाएगी। बीएमसी उन सभी इमारतों में अपने कर्मचारियों को भेजेगी जिनमें कोरोना के संक्रमित मरीज हैं। बीएमसी उनकी आरटी-पीसीआर जांच करेगी। प्रशासन को उम्मीद है कि इस कदम से कोरोना को रोकने में काफी फायदा मिलेगा।

लोगों के बाहर जाने की रोक

जानकारी के मुताबिक जिन इलाकों की इमारतों में कोरोना के मरीज पाए जा रहे हैं। वहां बीएमसी के संबंधित वार्ड अधिकारियों को अलर्ट किया जा रहा है। साथ ही लोगों के घर से बाहर जाने पर भी पाबंदी लगाई गई है। मनपा इन्हीं इलाकों में टारगेट करके लोगों की जांच करेगी। यह पहली मर्तबा होगा जब बीएमसी के स्वास्थ्य कर्मचारी लोगों के दरवाजे पर जाकर कोरोना की जांच करेंगे। बीएमसी हेल्थ कमेटी चेयरमैन प्रवीणा मोरजकर के मुताबिक डीएम से हर संभव प्रयास कर रही हैं ताकि कुरौना को फैलने से रोका जा सके। प्रवीणा मोरजकर के मुताबिक मुंबई में 82 फ़ीसदी मरीज ऐसे पाया जा रहे हैं जिनमे कोरोना के लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं। ऐसे में पॉजिटिव व्यक्ति को बीमारी का पता भी नहीं चलता है।

10वीं और 12वीं की परीक्षाएं होंगी, मीडिया गलत खबरें न चलाए- स्कूली शिक्षा मंत्री

मुंबई, राज्य के माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं इस वर्ष रद्द किए जाने की खबर को स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने झूठी खबर बताया। उन्होंने कहा कि बोर्ड में पहले से तय हो चुका है कि १०वीं और १२वीं की परीक्षाएं होंगी। इन परीक्षाओं के लिए तैयारी भी शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को अचानक खबर आई कि १०वीं और १२वीं की परीक्षाएं रद्द होंगी। छात्रों को औसतन नंबर देकर उत्तीर्ण किया जाएगा लेकिन शिक्षा मंत्री ने इस पूरी खबर को गलत बताया। कहा कि हर बार सवाल उपस्थित कर गलत खबर बनाना सही नहीं है। १०वीं

और १२वीं कक्षा की परीक्षाओं को रद्द करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। बता दें कि कुछ दिनों पहले वर्षा गायकवाड़ ने कहा था कि दसवीं व बारहवीं की परीक्षाएं ऑफलाइन होंगी। कोरोना संकट को देखते हुए राज्य में दसवीं और बारहवीं की परीक्षा ऑनलाइन होने की चर्चा पर उन्होंने विराम लगाया था और कहा था कि ये परीक्षाएं ऑफलाइन ही होंगी। इन कक्षाओं की परीक्षा ऑनलाइन कराए जाने की मानसिकता से अभिभावकों को बाहर निकलना होगा।

ऑफलाइन ही होगी परीक्षाएं

माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अधिकारी व विशेषज्ञ दसवीं और बारहवीं की ऑनलाइन परीक्षा के विरोध में हैं। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है इसीलिए ये परीक्षाएं ऑनलाइन नहीं होंगी, यह सुनिश्चित हो चुका है। इस संदर्भ में बोर्ड ने लगभग अपना मत तय कर लिया है।

तैयार है ठाणे मनपा, कोरोना की खैर नहीं!

ठाणे, ठाणे मनपा क्षेत्र में कोरोना महामारी एक बार फिर बढ़ने लगी है इसलिए मनपा ने बंद पड़े कुछ कोविड केंद्रों को फिर से खोलना शुरू कर दिया है। कोविड सेंटर की साफ-सफाई कर कोरोना रोगियों के लिए फिर से सुसज्जित किया जा रहा है। वहीं अगले सप्ताह एक और नया कोविड सेंटर शुरू किया जाएगा। पिछले कुछ दिनों से शहर में कोरोना के रोगियों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। कोविड सेंटर में कोरोना रोगियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

बता दें कि पिछले साल अक्टूबर से कोरोना के मरीजों की संख्या को नियंत्रित कर लिया गया था। इसी वजह से मनपा ने कोविड सेंटरों को विभिन्न चरणों में बंद करने का निर्णय लिया था, जिसके अनुसार वागले, कलवा, मुंब्रा में कोविड सेंटर को बंद कर दिया गया था। भायंदर पाड़ा में हल्के लक्षणोंवाले रोगियों के लिए कोविड सेंटर को भी बंद कर दिया था। नागरिकों द्वारा नियमों का उल्लंघन करने, मास्क का उपयोग न करने और भीड़भाड़ के कारण रोगियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है इसलिए कोरोना की एक और लहर की संभावना है। वर्तमान में कोविड सेंटर ११ स्थानों पर कार्यान्वित हैं। इनमें से कुछ सेंटर बंद थे। मनपा ने स्पष्ट किया कि इन्हें भी अब शुरू किया जा रहा है।

जंग बन गए हैं चुनाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में एक रैली को संबोधित करते हुए संकेत दिया कि मार्च के पहले हफ्ते में चुनाव आयोग वहां चुनाव तारीखों की घोषणा कर सकता है। बहरहाल, असम के साथ ही पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी चुनाव होने वाले हैं और इनकी धमक काफी पहले से सुनाई दे रही है। वह दौर बीत गया जब दक्षिण या उत्तर-पूर्व के राज्यों के चुनावों पर राष्ट्रीय मीडिया में जरूरत भर को ही चर्चा होती थी। अभी कोई चुनाव छोटा या गैरमामूली नहीं होता। हैदराबाद के नगरपालिका चुनावों पर भी हफ्तों चहल-पहल हमने हाल में देखी है। लोकतंत्र के लिए निश्चित रूप से यह एक अच्छी बात है, हालांकि देश को हमेशा इलेक्शन मोड में न रखने के सरकार प्रायोजित विमर्श को देखते हुए यह थोड़ी अटपटी भी लगती है। इस सदाबहार चुनावी गहमागहमी की अगुआई बीजेपी कर रही है। उसी ने इसको शुरू किया

और वही आगे भी बढ़ा रही है। इस बार चुनाव तो पांच विधानसभाओं के होने वाले हैं लेकिन खबरें दो राज्यों से ज्यादा आ रही हैं। असम, जहां बीजेपी सत्ता में है और पश्चिम बंगाल, जहां वह पहली बार सत्ता की दौड़ में शामिल है। केरल में वाम मोर्चे की सरकार को चुनौती कांग्रेस की तरफ से है जबकि तमिलनाडु में मुख्य लड़ाई एआईएडीएमके और डीएमके के बीच है। पुडुचेरी में बीजेपी का कोई निर्वाचित विधायक नहीं है लेकिन तीन मनोनीत विधायकों के जरिये वहां विधानसभा में उसकी उपस्थिति बनी हुई है।

केरल में मेट्रोमैन ई श्रीधरन के बीजेपी जॉइन करने और पुडुचेरी में छह विधायकों के इस्तीफे के कारण नारायण सामी सरकार गिरने के बाद कहा जाने लगा है कि इन राज्यों के चुनाव में भी बीजेपी का दखल हाशिये तक सीमित नहीं रहेगा। एक कमाल की बात इधर यह हुई है कि 'प्यार और जंग में सब जायज है', वाले सूत्रवाक्य में चुनाव तीसरी सिचुएशन बन गया है। इसका ताजा उदाहरण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के घर पर सीबीआई टीम का पहुंचना है। घोटाले के हर आरोप की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी ही चाहिए, लेकिन जांच एजेंसियों की इस तेजी को चुनावों से जोड़कर देखने के लिए किसी अतिरिक्त प्रयास की जरूरत नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि बीजेपी की अगुआई में चुनावी मुकाबलों का रोमांच वोटिंग और उसके नतीजों की घोषणा तक सीमित नहीं रह गया है। कई राज्यों में बहुमत से काफी कम विधायक लाकर भी उसने सरकार बनाई है तो कुछ में सत्तारूढ़ विधायकों के इस्तीफे के बाद घुमा-फिराकर यह कार्य संपन्न किया है। इससे बाकी पार्टियों के लिए टास्क तय हो गया है कि उन्हें जीतना है तो भारी बहुमत लाकर जीतें और एक-एक विधायक ठोका-बजाया हुआ लेकर आएं। झरोखा दर्शन देकर लड़ी जाने वाली गुडी-गुडी चुनावी लड़ाइयों के लिए देश में अब कोई जगह नहीं बची है।

भारत-चीन: सुधर रहे हैं हालात

राहत की बात है कि भारत-चीन सीमा पर आमने-सामने तैनात टुकड़ियों की वापसी को लेकर शुरुआती सहमति बनने के बाद एलएसी पर तनाव में कमी आ रही है, साथ ही दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में आया ठहराव भी दूर होने लगा है। खबर है कि चीन की ओर से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के प्रस्तावों को मंजूरी का पिछले नौ महीनों से रुका हुआ सिलसिला दोबारा शुरू हो गया है। हालांकि अभी केवल छोटे मामले ही मंजूर हो रहे हैं। पिछले साल अप्रैल में एफडीआई के कानूनों में संशोधन करते हुए चीनी निवेश से जुड़े प्रस्तावों के लिए ऑटोमेटिक रूट के बजाय अप्रूवल रूट का प्रावधान कर दिया गया था। उस समय इसका मकसद लॉकडाउन के कारण कमजोर हुई भारतीय कंपनियों को चीनी अधिग्रहण से बचाने का बताया गया था। मगर गलवान घाटी में हुई हिंसक भिड़ंत के बाद दोनों देशों के रिश्तों में ऐतिहासिक गिरावट आई जिसका सीधा परिणाम निवेश के आंकड़ों पर पड़ा। ध्यान रहे, हाल के वर्षों में प्रत्यक्ष चीनी निवेश के आंकड़े तेजी से बढ़ रहे थे।2014 से 2019 के बीच चीन से एफडीआई में पांच गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। लेकिन 2020 में इसमें भारी कमी आई। देश में प्राइवेट कंपनियों के फाइनेंशनल ट्रांजैक्शंस और उनके वैल्युएशंस पर नजर रखने वाले वेंचर इंटेलिजेंस के आंकड़ों के मुताबिक चीन और हांगकांग स्थित फंड्स का निवेश 2019 के 3.5 अरब डॉलर से घटकर 2020 में 1.05 अरब डॉलर रह गया।

अगर सामान्य रूप में एफडीआई का फ्लो देखें तो भी अप्रैल से सितंबर 2020 की अवधि में चीन से महज 5.5 करोड़ डॉलर की एफडीआई दर्ज हुई जो पिछले तीन साल के दौरान किसी भी छमाही में दर्ज हुई सबसे कम राशि है। इसका स्वाभाविक असर देश के अंदर चल रही चीनी कंपनियों के कारोबार पर और उससे जुड़े लोगों की कमाई तथा उनके रोजगार पर पड़ रहा था। इस लिहाज से दोनों देशों के बीच तनाव में कमी और व्यापारिक गतिविधियों में इजाफा निश्चित रूप से एक पॉजिटिव डिवेलपमेंट है। मगर यह बात भुलाई नहीं जा सकती कि चीनी सेना ने पिछले साल मार्च-अप्रैल में एकतरफा कार्रवाई करते हुए एलएसी पर यथास्थिति में बदलाव ला दिया। सैन्य टुकड़ियों के मौजूदा आमने-सामने स्थिति से पीछे लौटने को लेकर सहमति बन जाने के बावजूद सीमा पर अप्रैल से पहले की स्थिति अभी बहाल नहीं हो सकी है। जब तक ऐसा नहीं हो जाता तब तक सीमा पर स्थितियों को सामान्य नहीं माना जा सकता। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि तनाव में कमी और व्यापारिक गतिविधियों में बढ़ोतरी के बीच भी सीमा पर साल भर पहले वाली स्थिति बहाल करने का मुद्दा कमजोर न पड़े। जब तक यह लक्ष्य हासिल नहीं कर लिया जाता तब तक न तो सीमा पर स्थिति सहज मानी जाएगी, न ही दोनों देशों के औद्योगिक-व्यापारिक रिश्तों में कुछ खास गरमाहट वापस आ सकेगी।

किरीट ए. चावड़ा

जिगर डी वाढेर

इवेंट की चमक से फीकी पड़ती मिट्टी की महक

देश-दुनिया में चर्चित डेजर्ट फेस्टिवल बुधवार से शुरू हो गया है, लेकिन पर्यटकों की संख्या के मामले में इस बार जैसलमेर सूना है। पहले इन दिनों जैसलमेर देसी-विदेशी पर्यटकों से अंटा पड़ा रहता था। यह स्थिति सिर्फ लॉकडाउन की वजह से बनी है, ऐसी बात नहीं है। इसके पीछे लंबे समय से जारी सरकारी नीतियां जिम्मेदार हैं। रेगिस्तान में चलने वाले इस 3 दिवसीय महोत्सव की अपनी साख है। यह लोक संस्कृति और पारिस्थितिकी का अनूठा संयोजन है जो रेगिस्तान को जानने-समझने का अवसर देता है। यह स्थानीय लोगों की आजीविका का एक बड़ा साधन भी है। दूर-दूर तक फैला रेत का समंदर, दूर छोर से आता ऊंटों का कारवां, रंग-बिरंगी पोशाक पहनकर नाचते-गाते लोग उसे और भी खूबसूरत बना देते हैं।

राज्य सरकारें इस महोत्सव की बेहतरी के लिए आयोजन में प्रफेशनलिज्म लाने का दावा करती हैं। इसी दावे की परिणीति इवेंट कंपनी की भागीदारी के रूप में सामने आती है। यहां आयोजित होने वाले तमाम महोत्सवों और मेलों में इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों को टेंडर दिया हुआ है। यहां तक कि जयपुर के जवाहर कला केंद्र में कठपुतली नचाने के लिए भी कंपनी को टेंडर जारी किया गया है। इन कंपनियों के लिए ये मेले और महोत्सव महज एक इवेंट हैं, जहां से उन्हें ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाना है। न इन महोत्सवों के इतिहास से उन्हें कुछ लेना-देना है और न वहां की लोक संस्कृति से उनका कोई वास्ता है।

पिछले वर्ष मरु महोत्सव में इवेंट कंपनी ने कमाल कर दिया। मिट्टी के धोरों में 871 लोक कलाकारों को इकट्ठा कर यह दावा किया कि आज तक इतने लोक कलाकारों ने एक जगह एक साथ अपने लोकवाद्य नहीं बजाए हैं। यह अनूठा और विचित्र कार्य इवेंट कंपनी और कलेक्टर ने मिलकर किया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड में नाम दर्ज हो गया और इवेंट कंपनी को भी बड़े स्तर पर लाभ मिला। पर उस महोत्सव के साथ क्या हुआ, इससे उन्हें कोई वास्ता नहीं! लोक रस्सी दौड़। लोक कलाकारों के कार्यक्रमों को संख्या से तोल दिया जाता है जबकि देसी-विदेशी सैलानी उस मिट्टी की साफा देखना पसंद करते हैं।

यही हाल विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेले का हुआ। वहां भी इवेंट कंपनी ने कलेक्टर के साथ मिलकर मेले की पूरी परंपरा को ही बदल दिया। कॉलेज की 5 हजार लड़कियों को एक साथ घूमर नृत्य करवाकर कलेक्टर ने तो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवा लिया, पर घुमंतू समुदायों के सारे इवेंट समाप्त कर दिए गए। इस इनाम की कितनी बड़ी कीमत हमने चुकाई यह आने वाले वर्षों में पता चलेगा। संस्कृति और प्रकृति के रिश्ते को जोड़कर इन मेलों और महोत्सवों के जरिए हम न केवल अपनी लोक संस्कृति का परिचय देते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपने अतीत की गहराइयों में लेकर जाते हैं।

उन्हें अपने पुरखों के सदियों पुराने ज्ञान-विज्ञान से परिचित करवाते हैं। इससे स्थानीय लोगों को आजीविका का बड़ा साधन मिलता है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2017 में जैसलमेर आने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या 4,93,755 और विदेशी पर्यटकों की संख्या 1,22,851 थी। 2018 में यह संख्या लुढ़क गई। भारतीय पर्यटकों की संख्या 3,43,343 और विदेशी पर्यटकों की 75,519 रह गई। 2019 में यह आंकड़ा और कम हुआ। देसी पर्यटकों में अधिकांश गुजरात, मध्य प्रदेश, दिल्ली, कोलकाता और महाराष्ट्र के होते हैं। मरु महोत्सव की बात की जाए, तो यहां हजारों की संख्या में ऊंट वाले, मजमे लगाने वाले, लोक संगीतकार, नृत्य से जुड़े लोग, खेल-तमाशे वाले, होटल व्यवसायी, हथकरघा से जुड़े लोग, घोड़ागाड़ी वाले और पारंपरिक हाथ से सिले परिधान वाले लोग आते हैं। इनसे लाखों लोगों की आजीविका भी जुड़ी है। ऊंट सफारी के स्थान पर जीप सफारी को चलाया जा रहा है। रात्रि कालीन जीप सफारी रेगिस्तान के दुर्लभ जीव जंतुओं के लिए घातक है। यहां बने रिसॉर्ट्स और होटलों में लोक संस्कृति के कार्यक्रमों की बजाय डीजे साउंड बजाए जा रहे हैं। इनसे इन लोक कलाकारों की आजीविका छिन रही है।

साफ पानी के कारोबार से किसको क्या नुकसान

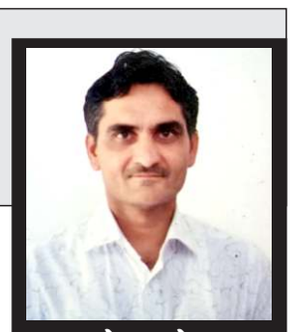

भूपेन्द्र पटेल

विकास और औद्योगीकरण की होड़ के बीच पीने के लिए साफ पानी की उपलब्धता एक बड़ी समस्या के रूप में सामने है। भारत में बोतलबंद पानी के कारोबार को लेकर एक सर्वे रिपोर्ट बताती है कि यह सालाना तकरीबन 21 फीसदी के हिसाब से बढ़ रहा है। 2019 के आंकड़े गवाह हैं कि 160 अरब रुपये का यह कारोबार 2023 तक बढ़कर 460 अरब के स्तर पर पहुंचने वाला है। शहर में होने वाली शादियों से लेकर छोटी-बड़ी पार्टियों तक में बोतलबंद पानी न सिर्फ हमारी जरूरत बन गया है बल्कि आदत में शुमार होता जा रहा है। साफ पानी उपलब्ध कराने के नाम पर कंपनियों का कारोबार तेजी से पसर रहा है और शहरी क्षेत्रों में उनकी पैठ बढ़ती जा रही है।

पाइप के जरिए पानी

इस बीच जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नल के जरिए जल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना ने ग्रामीण क्षेत्रों में पानी का कारोबार करने वाली कंपनियों की पहुंच के द्वार खोल दिए हैं। कोरोना काल में ही 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का ऐलान किया था। देश में बढ़ते जल संकट की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी केवल 50 फीसदी परिवारों को ही पाइप के जरिए पानी पहुंचाया जा रहा है। आने वाले कुछ सालों में हर घर तक जल पहुंचाने की इस योजना को एक मिशन के तौर पर लिया जाएगा। 3 लाख करोड़ से भी अधिक खर्च कर इस योजना को 2024 तक साकार करने की बात कही गई। पेयजल योजना के लिए यह अब तक की सबसे बड़ी रकम है। आम लोगों को यह योजना पेयजल की समस्या का बड़ा समाधान देती हुई दिख रही है। लेकिन जल अधिकारों के लिए सक्रिय संगठन और लोग इसे एक नई समस्या के रूप में देख रहे हैं। उनका कहना है कि यह योजना जल पर सभी नागरिकों के प्राकृतिक अधिकार को छीनने की कोशिश है। उनका कहना है कि घरों तक पाइप के जरिए पानी पहुंचाने का काम नगर निकायों या सरकारी संस्थाओं के बजाय निजी कंपनियों को सौंपकर सरकारें पानी के निजीकरण की ओर कदम बढ़ा चुकी हैं। इन संगठनों की सबसे बड़ी चिंता है कि जल प्रबंधन के नाम पर पानी पर निजी कंपनियों का अधिकार आम आदमी तक पानी की पहुंच को मुश्किल बनाएगा। यह एक बड़े खतरे का साफ संकेत है। जल पुरुष के नाम से जाने जाने वाले राजेंद्र सिंह ने अपनी चिंता साझा करते हुए कहा है कि पिछले कुछ सालों में 18 राज्यों के शहरों में पानी का निजीकरण हुआ है। एक फ्रांसीसी कंपनी ने

भारत में जिस तेजी से पांव पसारने शुरू किए हैं उससे साफ है कि केंद्र और राज्य की सरकारें लोगों को पानी के लिए इन कंपनियों पर निर्भर बनाने जा रही है। उन्होंने जल अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों से आह्वान किया है कि देश को पानी के वाणिज्यीकरण और निजीकरण से बचाने के लिए अभियान तेज करें। जल पुरुष का कहना है कि संविधान ने सभी को जीने का मौलिक अधिकार दिया है और पानी के बगैर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। लेकिन पीने का साफ पानी हमसे दूर होता जा रहा है। इसके लिए कंपनियों पर हमारी निर्भरता बढ़ती जा रही है। ऐसे में वह दिन दूर नहीं जब हम एक-एक बूंद के लिए इन्हीं कंपनियों पर आश्रित होंगे।

मोदी सरकार पानी की उपलब्धता को लेकर सक्रिय तो है लेकिन उसकी ओर से समाधान की जो पहल की जा रही है, उसमें कई दिक्कतें हैं। मोदी ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान ही मई 2019 में जल संसाधन और पेयजल मंत्रालय को मिलाकर एक नया मंत्रालय बनाया था जिसे जल शक्ति मंत्रालय कहा गया। सरकार का कहना था कि यह मंत्रालय जल से जुड़े सभी अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय विवादों के निपटारे का काम करेगा और देश में साफ पेयजल उपलब्ध कराने से लेकर नदियों की सफाई तक की जिम्मेदारी उठाएगा। इसके साथ ही नमामि गंगे परियोजना (गंगा नदी और उसकी सहायक एवं उप सहायक नदियों को साफ करने का बृहद खाका) पर नई पहल शुरू की गई। इससे पहले ये योजनाएं पर्यावरण और वन मंत्रालय के अधीन काम कर रही थीं। अब दूसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने जल जीवन मिशन के साथ हर घर जल की योजना शुरू करने का ऐलान किया है। लेकिन इस योजना को निजीकरण का रास्ता खोलने के तौर पर देखा जा रहा है। नदियां, पोखर लीज पर

बुंदेलखंड में पानी की समस्या लेकर काम करने वाले संगठन परमार्थ के कर्ताधर्ता संजय सिंह कहते हैं, 'जल जीवन मिशन के तहत हमारे आपके घरों तक पानी पहुंचाने को लेकर जो योजनाएं बन रही हैं उनमें बड़ी कंपनियों को शामिल किया जा रहा है। बाद में सरकार इन्हीं कंपनियों को पानी पहुंचाने का जिम्मा सौंपकर अपना हाथ झाड़ लेगी। ऐसे में शहर से लेकर गांवों तक के लोग पानी की जरूरतों के लिए इन कंपनियों पर पूरी तरह निर्भर हो जाएंगे। नदियों, तालाबों और जलाशयों के पानी का शोधन कर घरों तक पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किए जाने की वजह से जानवरों और खेती के लिए पानी की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो जाएगा। घरों तक पानी पहुंचाने के लिए ये कंपनियां आस-पास के नदियों और जलाशयों को लीज पर ले लेंगी लिहाजा उन पर आम आदमी के अधिकार समाप्त हो जाएंगे।' इस समस्या की गहराई को समझते हुए संगठनों की सक्रियता बढ़ गई है। राजेंद्र सिंह की अगुवाई में जल अधिकारों से जुड़े लोग एक बार फिर इस समस्या को लेकर देशव्यापी चेतना जगाने की मुहिम शुरू करने जा रहे हैं। उनकी कोशिश लोगों में पानी की बढ़ती समस्याओं पर सही सोच पैदा करने और पेयजल पर अधिकार सुनिश्चित करने वाली जल नीति बनाने के लिए केंद्र तथा राज्य सरकारों पर दबाव बनाने की है।

समाज के वंचित वृद्धों के मदद में आगे है नाज़ एकता का 'अवेस्टा फाउंडेशन'

ने कहा है, "मैं समाज की वंचित वरिष्ठ नागरिकों का समर्थन करने के लिए एक युवा लड़की की कर्तव्यनिष्ठा को जानकर खुश हूं और मुझे नाज़ पर अभिमानहै" : आदित्य उद्धव ठाकरे (महाराष्ट्र के विधायक, कैबिनेट, पर्यटन और पर्यावरण मंत्री)

वृद्धाश्रम के लिए वित्तीय सहायता के साथ दिव्यांगों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान से सुसज्जित 'ओल्ड एज होम्स' संचालित करने की योजना

मुंबई: अंधेरी (पश्चिम) में वीरा देसाई रोड से संचालित होने वाले गैर सरकारी संगठनों में से एक, अवेस्ता फाउंडेशन ने 2020 के महामारी के दौरान चुनौती का सामना करके प्रतिष्ठित पद को प्राप्त किया है। नाज़ एकता, अवेस्ता फाउंडेशन के संस्थापक और निदेशक हैं जो एक प्रतिष्ठित महिला सामाजिक कार्यकर्ता हैं जिन्होंने अपनी सेवा और समर्पण के साथ समाज के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कोविड 19 महामारी जैसे कठिन समय के दौरान, फाउंडेशन ने वरिष्ठ नागरिकों को दवाइयां और दूध सहित आवश्यक वस्तुएं वितरित की, वित्तीय सहायता प्रदान की, मोबाइल फोन रिचार्ज किया, प्रवासी श्रमिकों को खिलाया, कई पीड़ित बुजुर्गों से बात की ताकि उनकी मनःस्थिति को स्थिर किया जा सके और कई भूखे परिवारों को मासिक राशन प्रदान किया। उन्होंने साप्ताहिक 'लंगर सेवा' (सामुदायिक रसोई) के माध्यम से गरीबों, बेरोजगारों, जरूरतमंदों और असक्षम लोगों को भी भोजन कराया।

एक दशक से अधिक समय से बेसहारा और असहाय बुजुर्ग लोगों की देखभाल करते हुए 'लाइफ विथ डिग्निटी' मूलमंत्र के तहत नाज़ एकता की अवेस्ता फाउंडेशन निस्वार्थ रूप से सेवारत रही है। भावनात्मक रूप से विशाल हृदय वाली नाज़ सभी उपेक्षित बुजुर्गों की आँसू को पोंछते उन्हें चिकित्सा सहायता, खाना खिलाना, आश्रय प्रदान करना और उनके होठों पर मुस्कान वापस लाना जैसे कार्य निःस्वार्थ भाव से कर रही हैं।

एक सक्षम, अनुभवी और स्व-प्रेरित टीम द्वारा समर्थित, नाज़ एकता का जन्म पानीपत (हरियाणा) में हुआ। बचपन में स्कूल की पढ़ाई छोड़ने के बाद उन्हें कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ा। फिर मुम्बई आकर 15 साल की उम्र से उन्होंने समाज के वंचित वरिष्ठ नागरिकों के लिए अनुकरणीय भक्ति का परिचय दिया।

अब, 32 वर्षीय यह चाहती है कि वह अपने एनजीओ फाउंडेशन को अगले स्तर पर ले जाए। उसके पास सभी आधुनिक सुविधाओं जैसे स्वास्थ्य केंद्र, योग और ध्यान केंद्र, पुस्तकालय, स्विमिंग पूल और अन्य मनोरंजक सुविधाओं से सुसज्जित 'ओल्ड एज होम्स' संचालित करने की योजना है। संक्षेप में, वृद्धों और दिव्यांगजनों के लिए एक ऐसा समग्र घर जहां समाज का सबसे कमजोर वर्ग सांसारिक चिंताओं से रहित और अपनी पुनर्स्थापित गरिमा के साथ स्वस्थ जीवन जी सकता है। उनके कार्य को मंत्रियों, राजनेताओं, नौकरशाहों और मशहूर हस्तियों द्वारा प्रशंसा और सराहना मिली है। आदित्य उद्धव ठाकरे (महाराष्ट्र के विधायक, कैबिनेट, पर्यटन और पर्यावरण मंत्री) ने कहा है, "मैं समाज की वंचित वरिष्ठ नागरिकों का समर्थन करने के लिए एक युवा लड़की की कर्तव्यनिष्ठा को जानकर खुश हूं और मुझे नाज़ एकता पर अभिमानहै"। नाज़ एकता गर्व से कहती है, "निराश्रित वरिष्ठ नागरिकों को गोद लेना और उन्हें व्यक्तिगत देखभाल और पूरे ध्यान के साथ आश्रय, भोजन, चिकित्सा प्रदान करना हमारा जीवन-मिशन है"। उनका मानना है कि अगर हम सभी आगे आएं और अपने छोटे से तरीके से भी काम करें, तो हम जिस समाज में रहते हैं, उससे बहुत फर्क पड़ सकता है। इसे हम कभी भी कहीं से शुरू कर सकते हैं।

टोल और पेट्रोल से लूट रहे हैं मोदी-नाना पाटोले

मुंबई, महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष नाना पाटोले ने गुरुवार को केंद्र की मोदी सरकार पर लुटेरी सरकार होने की तोहमत लगाई। उन्होंने कहा कि है सरकार टोल और पेट्रोल के जरिए देश की जनता को दोनों हाथ से लूट रही है। पाटोले ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कम कीमतों के बावजूद देश में ईंधन के दाम ज्यादा रखने वाली बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार लुटेरी व डकैत है। संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि घरेलू बाजार में ईंधन पर केंद्र द्वारा लगाए गए भारी करों के कारण देश के इतिहास में पहली बार इनके खुदरा मूल्य तीन अंकों में पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में सत्ता में आई बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार विभिन्न करों और उपकरों को बढ़ा रही है, जो आम आदमी की जेब से आता है। केंद्र सरकार ने राजमार्ग विकास पर 18 रुपये और किसानों के फायदे के लिए 4 रुपये समेत कई उपकर लगाए हैं। मनमोहन सिंह सरकार जब सत्ता में थी, तो ये दोनों उपकर बेहद मामूली थे। पाटोले कहा कि महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस सरकार ने पेट्रोल व डीजल पर विभिन्न कर बढ़ा दिए थे। पिछली सरकार के 5 साल के कार्यकाल में 11 रुपये की बढ़ोतरी हुई। इसकी तुलना में महाविकास आघाडी सरकार ने करों में सिर्फ एक रुपये का इजाफा किया है।

नौसैनिक सूरज दुबे ने कर्ज के चलते की थी आत्महत्या

मुंबई। नौसैनिक सूरज दुबे की हत्या नहीं हुई थी बल्कि कर्ज से परेशान होकर उन्होंने खुद आत्महत्या की थी। मामले की छानबीन के बाद पालघर पुलिस ने यह खुलासा किया है।

चेन्नई हवाई अड्डे के बाहर और पालघर-गुजरात सीमा के पास के इलाकों में लगे सीसीटीवी की जांच में यह खुलासा हुआ कि दुबे अकेले घूम फिर रहे थे। पुलिस के हाथ उस पेट्रोल पंप की तस्वीरें भी लगी जहां से दुबे ने डीजल खरीदा था। जंगल में जाकर यही डीजल उन्होंने खुद पर छिड़ककर आत्महत्या कर ली थी।

पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि दुबे ने दोस्तों रिश्तेदारों से लाखों रुपए कर्ज लेकर शेयर बाजार में लगा दिया था और पैसे डूब गए थे। लोग पैसे वापस मांग रहे थे इससे परेशान होकर उन्होंने आत्महत्या का रास्ता चुना। दुबे को बुरी तरह जली हालत में पालघर के जंगली इलाके में देखा गया था।

मौत से पहले उन्होंने पुलिस को बताया था कि कुछ लोगों ने फिरौती के लिए उन्हें अगवा कर लिया था।

दुबे ने परिवार वालों को भी फोन कर इसी तरह का जानकारी दी थी कि 30 जनवरी को उन्हें चेन्नई हवाई अड्डे के बाहर से कुछ लोगों ने अगवा कर लिया है और 10 लाख रुपयों की मांग कर रहे हैं।

बुरी तरह जली अवस्था में दुबे ने पुलिस को बताया था कि पैसे न देने पर उन्हें जंगल में ले जाकर तेल छिड़ककर जला दिया गया।

वरिष्ठ मच्छीमार नेता स्व.मोतीराम भावे के स्मृति दिन पर पुस्तक 'द्रष्टा लोकनेता मोतीराम भावे' का विमोचन

पुस्तक 'द्रष्टा लोकनेता मोतीराम भावे' का विमोचन परिवहन संसदी कार्यमंत्री अनिल परब के हाथों किया गया

मुंबई। पूर्व नगरसेवक व वरिष्ठ मच्छीमार नेता स्व.मोतीराम भावे के स्मृति दिन पर चिल्ड्रन वेलफेयर सेंटर हाई स्कूल, वर्सोवा,मुंबई में एक भव्य और विशाल कार्यक्रम का आयोजन स्कूल के प्रिंसिपल श्री अजय कौल द्वारा किया गया था, जहाँ पर मोतीराम भावे के जीवन चरित्र पर एक मराठी भाषा में एक पुस्तक 'द्रष्टा लोकनेता मोतीराम भावे' का विमोचन परिवहन संसदी कार्यमंत्री अनिल परब के हाथों किया गया। इस अवसर पर विधायक रमेशदादा पाटिल, डॉ. भारती लव्हेकर, कपिल पाटिल,नगरसेविका प्रतिमाताई खोपड़े,रंजनाताई पाटिल, नगरसेवक योगीराज दाभाडकर, मनसे की सरचिटणीस शालिनीताई ठाकरे, पूर्व नगरसेवक शैलेश फणसे,स्व. मोतीराम के पुत्र नंदकुमार भावे व पंकज भावे, किरण कोली, अल्ताफ खान व चिल्ड्रन वेलफेयर सेंटर हाई स्कूल के प्रिंसिपल श्री अजय कौल, स्कूल के एक्टिविटी चेयरमैन प्रशांत काशिद इत्यादि सभी लोगों ने कार्यक्रम में रहकर कार्यक्रम में चार चांद लगाया। स्व.मोतीराम भावे ने मढ़, वर्सोवा, यारी रोड, साथ बंगला, वीरा देसाई इत्यादि सभी जगहों पर पूरे समाज के लिए निःस्वार्थ भावना से लोगों के हित में काम किया और खासकरके मच्छीमार के हक़ के लिए हर पार्टी के साथ मिलकर काम किया और करवाया। पुस्तक के विमोचन में कई पार्टी के लोग आये, जिससे पता चलता है कि उन्होंने केवल अपने काम पर ध्यान दिया और जनता के हित के लिए पूरा जीवन पूरा जीवन समर्पित कर दिया।पुस्तक 'द्रष्टा लोकनेता मोतीराम भावे' का लेखन, संपादन, संकलन नंदकुमार भावे व महादेव माले ने किया है।

बजट सत्र की अवधि पर आघाडी-बीजेपी में तकरार, 8 मार्च को बजट पेश किया जाएगा

मुंबई, सत्तारूढ़ महाविकास आघाडी और विपक्ष में बैठी बीजेपी के बीच विधानमंडल के बजट सत्र की अवधि को लेकर तकरार हो गई है। गुरुवार को ही विधानमंडल की काम-काज सलाहकार समिति की बैठक में यह तय किया गया कि कोरोना की वजह से बजट सत्र की अवधि 4 सप्ताह से घटाकर 10 दिन कर दी जाए। बीजेपी ने इसका विरोध कर बैठक का बहिष्कार किया। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री अनिल परब ने बीजेपी के बहिष्कार को बेमतलब बताया। काम-काज सलाहकार समिति की बैठक से बाहर निकलकर नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बजट सत्र की अवधि घटाकर सरकार चर्चा से भाग रही है। उन्होंने कहा कि सरकार नहीं चाहती कि किसी भी मुद्दे पर उससे सवाल पूछे जाएं। फडणवीस ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार में व्यापक भ्रष्टाचार है, लेकिन वह कोई जांच नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि विधानसभा के नए अध्यक्ष का चुनाव भी बैठक के अजेंडे में नहीं था। बीजेपी के आरोपों पलटवार परब ने विपक्ष के आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि बीजेपी के नेता तो 1 दिन का विधानसभा सत्र बुलाने की मांग कर रहे थे, लेकिन हमने 10 दिन के सत्र का फैसला किया। फडणवीस का समिति की बैठक से बहिष्कार को बेमतलब बताते हुए संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि अध्यक्ष द्वारा बैठक की समाप्ति की घोषणा के बाद सत्ताधारी दल के नेता विपक्षी नेताओं के साथ अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे। तब बीजेपी ने बहिर्गमन की घोषणा की। बैठक खत्म होने के बाद बैठक का बहिष्कार बेमतलब है। कोई भी बैठक के मिनट्स देख सकता है। अधिवेशनों पर कोरोना का साया इससे पहले कोरोना के साए के कारण विधानमंडल का मॉनसून और शीतकालीन अधिवेशन भी कम अवधि में खत्म करना पड़ा था। उम्मीद थी कि बजट अधिवेशन पूर्णकालिक होगा, लेकिन राज्य में एक बार फिर कोरोना का संक्रमण बढ़ने के कारण इस पर भी संकट आ गया है। विधान भवन में प्रवेश से पहले जांच बजट सत्र के दौरान विधान भवन परिसर को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए प्रवेश से पहले सभी मंत्रियों, विधायकों और अधिवेशन के दौरान प्रवेश के पात्र कर्मचारियों तथा पत्रकारों का कोरोना टेस्ट किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि अगर बजट सत्र 28 मार्च तक चलता है, तो विधान भवन में आने वाले हर व्यक्ति का हर तीसरे दिन कोरोना टेस्ट किया जाना चाहिए। इन्हें नहीं मिलेगा प्रवेश बजट सत्र के दौरान विधान भवन में भीड़ कम करने के लिए आगंतुकों और विधायकों के निजी सचिवों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

बीजेपी नेता चित्रा वाघ के पति पर आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज, एसीबी ने दिया नोटिस

मुंबई, बीजेपी नेता चित्रा वाघ पूजा चव्हाण आत्महत्या मामले में लगातार वन मंत्री संजय राठौड़ के खिलाफ आरोप लगाती रही हैं अब चित्रा वाघ के पति किशोर वाघ के खिलाफ राज्य के एंटी करप्शन ब्यूरो ने आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। इस मामले में किशोर वाघ से जल्द ही पूछताछ शुरू की जाएगी। चित्रा वाघ की भी मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। 12 फरवरी को दर्ज हुई एफआईआर एंटी करप्शन ब्यूरो ने 12 फरवरी को किशोर वाघ के खिलाफ यह मामला दर्ज किया है। चित्रवाद चित्र भागने पूजा चव्हाण आत्महत्या मामले में संजय राठौड़ के खिलाफ आक्रामक भूमिका अख्तियार की थी। एंटी करप्शन की इस कार्रवाई को बदले के रूप में देखा जा रहा है। क्या है मामला

आपको बता दें कि चित्र वाघ के पति किशोर परेल के महात्मा गांधी अस्पताल में मेडिकल रिकॉर्डर के रूप में काम कर रहे थे। 1997 में शिकायतकर्ता के भाई के स्पाइनल कॉर्ड का ऑपरेशन किया गया था। जिसमें उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में शिकायतकर्ता ने राष्ट्रीय उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज करवाई थी। ताकि इस मामले में 15 लाख का मुआवजा और पीड़ित परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी मिले। इस काम के लिए सरकारी रिकॉर्ड रखने वाले किशोर वाघ ने 4 लाख की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित पक्ष में इस बात की शिकायत एन्टी करप्शन ब्यूरो में की थी। एक करोड़ की आय से अधिक संपत्ति मिली

एफआईआर के बाद किशोर वाघ को एंटी करप्शन ब्यूरो ने जाल बिछाकर 5 जुलाई 2016 को गिरफ्तार किया था। इस मामले में किशोर बाग को 12 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भी भेजा गया था। एसीबी ने 2006 से लेकर 2016 तक किशोर वाघ की आमदनी की जांच की थी। जांच में किशोर वाघ के पास एक करोड़ की अघोषित संपत्ति का पता चला था।

ई कामर्स कंपनी को चूना लगाने वाला कर्मचारी गिरफ्तार

मुंबई। फ्लिपकार्ट कंपनी को चूना लगाने के आरोप में पुलिस ने कंपनी के ही एक कर्मचारी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नई मुंबई की कोपरखैरणे पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपी फर्जी ग्राहकों के नाम पर मोबाइल, घड़ी, कैमेरा जैसे सामान मंगाते थे। मुख्य आरोपी ग्राहक का पता न मिलने पर आरोपी डिलीवरी बाय से खुद सामान ले लेता था। बाद में सामान निकालकर डिब्बे में साबुन की टिकिया रखकर उसे पैककर कंपनी को वापस लौटा देता था। आरोपियों से करीब सवा आठ लाख रुपए का सामान बरामद किया गया है. जिसे उन्होंने इसी तरह से हासिल किया था। मामले का मुख्य आरोपी वाजिद मोमीन है। 24 वर्षीय मोमीन फ्लिपकार्ट कंपनी में ही ऑफलोड टीम लीडर के तौर पर काम करता था। सीनियर इंस्पेक्टर प्रदीप तिदार के मुताबिक आरोपी को गुप्त सूचना के बाद घणसोली इलाके से पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसने पर से आईफोन 11 मिला। पुलिस ने उससे बिल के बारे में पूछा तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि वह संघपाल मोरे और जयंत उगले नाम के अपने दो साथियों के साथ मिलकर ठगी की इस वारदात को अंजाम दे रहा था।

क्या आतंकियों के निशाने पर थे मुकेश अंबानी? मुंबई पुलिस ने नहीं किया इनकार

मुंबई, उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के बाहर स्कॉर्पियो में मिले विस्फोटक मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच के साथ एनआईए की टीम भी जांच कर रही है। क्राइम ब्रांच चीफ मिलिंद भारंबे ने बताया कि इस मामले में हम टेरर एंगल समेत सभी पहलुओं पर जांच कर रहे हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच ने स्कॉर्पियो के मालिक हीरेन हसमुख हीरेन मनसुख से पूछताछ की। हीरे मनसुख की गाड़ी कुछ दिनों पहले विक्रोली इलाके से चोरी हो गई थी। इसी कार में जिलेटिन की छड़ें बरामद की गई थीं।

किसी भी ग्रुप ने नहीं ली जिम्मेदारी मुंबई पुलिस के एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आमतौर पर जब कोई आतंकी गुट ऐसे मामलों में इंवॉल्व होता है तो वह इस बात की यह जिम्मेदारी लेता है।

हालांकि इस घटना को कई घंटे बीत चुके हैं लेकिन अभी तक किसी ने क्लेम नहीं किया है। बावजूद इसके टेरर एंगल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि ढाई किलोग्राम वजन की 20 जिलेटिन की छड़ी कार से बरामद हुई थी, जो तकरीबन 3 हज़ार स्क्वायर फीट के परिसर को बहलाने के लिए काफी हैं।

दूसरी कार की तलाश

पुलिस के मुताबिक इस मामले में एक दूसरी इनोवा कार की भी तलाश की जा रही है जो अंबानी के घर के पास तक आई थी। इनोवा कार पर भी फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी,

जिसे ट्रेस किया जाना बाकी है।

यह इनोवा कार रात के तकरीबन 3 बजे मुंबई के मुलुंड टोल नाके को पार करके ठाणे की तरफ बढ़ी है।

यह पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई है।

स्कॉर्पियो का मालिक पहुंचा क्राइम ब्रांच

उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास खड़ी स्कॉर्पियो के मालिक का पता चल गया है। मामले की जांच कर रही क्राइम ब्रांच की टीम फिलहाल

स्कॉर्पियो के मालिक से पूछताछ करने में जुटी हुई है। पुलिस के मुताबिक स्कॉर्पियो कुछ साल पहले चुराई गई थी। पुलिस को पुलिस के मुताबिक यह कार विक्रोली इलाके से चुराई गई थी। इसका चेचिस नंबर भी काफी डैमेज हो गया था। बावजूद इसके मालिक तक पहुंचने में मुंबई पुलिस सफल रही है। पुलिस के मुताबिक हाल के दिनों में अंबानी परिवार को किसी प्रकार का कोई धमकी भरा पत्र या फोन कॉल नहीं आया था। फिलहाल पुलिस आसपास के सभी सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुटी हुई है।

कमर्शियल ग्रेड का है जिलेटिन

पुलिस के मुताबिक जो जिलेटिन अंबानी के घर के पास खड़ी स्कॉर्पियो में मिला है। वह मिलिट्री-ग्रेड जिलेटिन (विस्फोटक सामग्री बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला जिलेटिन) नहीं है बल्कि कमर्शियल ग्रेड का जिलेटिन है। इस प्रकार के जिलेटिन का इस्तेमाल आमतौर पर इंफ्रास्ट्रक्चर के कामों में किया जाता है।

क्या है मामला

उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर जिलेटिन से भरी कार बरामद होने के बाद से हड़कंप मचा हुआ है। पूरा शहर छावनी में तब्दील हो गया। मुंबई पुलिस जगह-जगह नाकेबंदी लगाकर चेकिंग अभियान चला रही है।

मुकेश अंबानी को धमकी

मशहूर उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर से कुछ फासले की दूरी पर मिली जिलेटिन से भरी स्कॉर्पियो में एक धमकी भरा खत भी मिला। इस खत में लिखा था-, 'मुकेश भैया ऐंड नीता भाभी ये तो ट्रेलर था, पूरी पिक्चर अभी बाकी है हमारी तैयारी पूरी हो चुकी है'।

यह धमकी भरा पत्र टूटी-फूटी अंग्रेजी में लिखा हुआ था। इसमें ग्रामर की कई गलतियां थीं। कार में एक बैग भी मिला है, जिस पर मुंबई इंडियंस लिखा हुआ था। फिलहाल मुंबई पुलिस, क्राइम ब्रांच और एटीएस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

कई दिनों से कर रहे थे अंबानी का पीछा!

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिन लोगों ने मुकेश अंबानी के घर के पास विस्फोटक से भरी स्कॉर्पियो रखी थी। उन्होंने ना सिर्फ एंटीलिया (मुकेश अंबानी का घर) की रेकी की थी, बल्कि मुकेश अंबानी के काफिले का भी कई बार पीछा किया था। बिना इसके अंबानी की गाड़ियों की नंबर प्लेट से मिलता नंबर प्लेट बनाना आसान नहीं था।

मेरी मम्मी देती हैं हर रोज सौंफ खाने की सलाह

मेरी मम्मी हमेशा डायनिंग टेबल पर सौंफ की शीशी रखती हैं। वे मानती हैं कि सौंफ मुंह का स्वाद दुरुस्त करने के साथ ही पाचन तंत्र को भी बेहतर रखती है। घर हो या रेस्तरां, खाना खाने के बाद सौंफ

देना एक परंपरा बन गई है। जबकि यह सुगंधित मसाला सब्जी का स्वाद बढ़ाने में भी कारगर है। पर क्या आप जानती हैं कि आयुर्वेद में इसे औषधीय माना गया है। आइए जानते हैं क्यों जरूरी है आहार में सौंफ को शामिल करना। सौंफ के फायदों को विज्ञान भी मानता है

नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल इनफार्मेशन (NCBI) की वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध में सामने आया कि सौंफ एक महत्वपूर्ण औषधीय पौधा है। जिसका उपयोग कई तरह के घरेलू, आयुर्वेदिक और एलोपथिक उपचारों के लिए किया जाता है। जैसे: पेट दर्द, कब्ज़, अपच, दस्त, मरोड, बुखार, पेट फूलना, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन और गुर्दे की बीमारी आदि। सौंफ का बिना किसी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव के लंबे समय से उपयोग किया जाता रहा है। वर्तमान में किए गए अध्ययनों से संकेत मिलता है कि सौंफ के कई स्वास्थ्य लाभ हैं और ये भोजन का एक महत्वपूर्ण घटक है। सौंफ को आहार में शामिल करने के स्वास्थ्य लाभ

दूर होती है सांस की बदबू

सौंफ को लोग आमतौर पर खाने के बाद खाते हैं, क्योंकि यह माउथ फ्रेशनर का काम करती है। सौंफ के कुछ दानों को चबाने से ही सांसों की दुर्गंध दूर हो जाती है। सौंफ चबाने से मुंह में लार ज्यादा मात्रा में बनती है, जो बैक्टीरिया को दूर करने में मददगार हैं।

पाचन को दुरुस्त करती है सौंफ

सौंफ का उपयोग सबसे ज्यादा पाचन संबंधी समस्याओं से निजात पाने के लिए किया जाता है। आहार में सौंफ का प्रयोग करने से इरिटेबल बाउल सिंड्रोम जैसी पेट की गंभीर समस्याओं का खतरा कम होता हैं। इसके अलावा, ये पेट दर्द और गैस जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में मदद करती है। साथ ही अल्सर, दस्त और कब्ज आदि से राहत दिलाती है। वजन कम करने में सहायक फाइबर से भरपूर सौंफ

सोनल झालावाड़िया

बढ़ते वजन को नियंत्रित करने में मददगार है। ये वजन तो कम करती ही है और शरीर में अतिरिक्त वसा को बनने से भी रोकती है। रोज़ सुबह एक बड़ा चम्मच सौंफ को एक लीटर पानी में उबाल कर पीने से वज़न भी कम होगा और बॉडी भी नेचुरली डिटॉक्स हो जाएगी।

वेट लॉस सुपरफूड्स हैं ये चीजें, ब्रेकफास्ट में खाने से 15-20 दिनों में दिखने लगेगा असर

वेट लॉस करने के लिए हम कितनी ही कोशिशें करते हैं लेकिन कभी-कभी ये कोशिशें हम पर भारी पड़ जाती यानी फैट लॉस की जगह जरूरी वजन घटने लगता है जिससे कि शरीर में कमजोरी आने लगती है। ऐसे में डाइट में ऐसी चीजों का इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए जिससेसे वजन बढ़ता हो। आज हम आपको ऐसी चीजें बता रहे हैं जिन्हें वेट लॉस सुपरफूड्स के रूप में जाना जाता है।

सांबर

प्रोटीन से भरपूर साउथ इंडियन डिश इडली और सांभर एक बेहतरीन ब्रेकफास्ट है। सांबर में

अलग-अलग तरह की सब्जियां डालकर इसे और भी ज्यादा हेल्दी बना सकते हैं।

अंडे

अंडा आपके वजन को नियंत्रित रखने में काफी मदद करता है। अंडा खाने के बाद आपकी भूख शांत हो जाती है और आप ओवरइटिंग से बच जाते हैं। अंडा विटामिन और खनिज, जैसे

सेलेनियम और राइबोफ्लेविन से भरपूर है।

मूंग दाल चीला

मूंग दाल अच्छी गुणवत्ता वाले प्रोटीन से भरी होती है। प्रोटीन भूख कम करने वाले हार्मोन जैसे जीएलपी -1, पीवाईवाई और सीसीके के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही इसमें प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है जिससे शरीर में कमजोरी नहीं आती।

दही

दही का सेवन करने से भूख के स्तर में कमी आ सकती है और चॉकलेट और स्नैक्स की क्रेविंग कम हो सकती है। दही पेट को हल्का रखने में मददगार है। इसके अलावा दही खाने से शरीर हाइड्रेट भी रहता है।

जामुन

जामुन में नाम मात्र की कैलोरी होती है। साथ ही इसमें विटामिन और खनिज और फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जिससे भूख और भोजन का सेवन कम हो सकता है।

केला

केले में फाइबर अधिक होता है,

संजय शर्मा

जो आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करवा सकता है। कच्चा केले में प्रतिरोधी स्टार्च भी होता है, जिससे कि पेट की चर्बी कम होती है।

पोहा

पोहा वजन कम करने के अलावा पेट की चर्बी भी तेजी से कम करता है। पोहे में कई सब्जियां और मूंगफली डालकर इसका सेवन करने से पेट की चर्बी भी कम होती है।

रोजाना किशमिश का पानी पीने से वेट लॉस के साथ मिलते हैं ये पांच फायदे, जानें कैसे तैयार करें पानी

कई लोग ऐसे होते हैं जिन्हें ड्राई फ्रूट्स डाइजेस्ट नहीं होते यानी उनके शरीर का टेम्परेचर बहुत गर्म होता है इसलिए उन्हें कोई भी गर्म चीज डाइजेस्ट नहीं हो पाती। ऐसे में वे ड्राई फ्रूट्स नहीं खाते लेकिन इम्युनिटी बढ़ाने के साथ ड्राई फ्रूट्स कई बीमारियों से भी बचाते हैं। ऐसे में अगर आपको भी ड्राई फ्रूट्स डाइजेस्ट नहीं होते, तो आप इन्हें भीगाकर खा सकते हैं। वहीं कुछ ड्राई फ्रूट्स ऐसे हैं जिनका पानी पीने से भी आप स्वस्थ रहते हैं। आज हम आपको किशमिश का पानी पीने के फायदे बता रहे हैं। ऐसे रखें किशमिश का पानी

2 कप पानी और 150 ग्राम किशमिश लें। एक पैन में, पानी डालें और उबाल लें। किशमिश को इसमें डालें और इसे रात भर भिगो दें। सुबह इस पानी को छान लें और धीमी आंच पर गर्म करें। इस पानी को सुबह खाली पेट पिएं। सुनिश्चित करें कि इस पानी को पीने के बाद अगले 30 मिनट तक आप कुछ न खाएं पिएं।

इसे पीने के फायदे

-किशमिश का पानी पीने से आपको अपने शरीर से सभी हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलेगी। यह ड्रिंक लीवर की जैव रासायनिक प्रक्रिया में सुधार करता है और आपको रक्त को साफ करने में मदद करता है।

-किशमिश का पानी आपके रक्त के शुद्धिकरण का काम करता है और आपके दिल की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है। यह आपके शरीर से खराब कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करता है।

-सुबह किशमिश का पानी पीने से भी आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है। किशमिश फ्रुक्टोज और ग्लूकोज से भरपूर होता है, जो आपको ऊर्जा से भरपूर रखता है।

किशमिश में फाइबर होता है, जो आपके पाचन तंत्र के लिए बहुत अच्छा होता है। किशमिश का पानी पीने से पाचन में सुधार करने में मदद मिलती है। यह कब्ज और अपच जैसी समस्याओं को भी दूर कर सकता है।

-किशमिश में बोरोन होता है जो हड्डियों के निर्माण में मदद करता है।

किशमिश में कैल्शियम भी होता है, जो हड्डियों के लिए बहुत अच्छा है। जिन लोगों को आयरन की कमी होती है उनके लिए यह पानी पीना फायदेमंद होता है।

लंच करने का क्या है सबसे बेस्ट टाइम? जानें कुछ हेल्दी मील टिप्स

लंच के टाइम पर ब्रेकफास्ट और डिनर का टाइम लगभग आधी रात! भागती-दौड़ती जिंदगी में हम जिस रोजी-रोटी को कमाने के लिए भाग रहे हैं, उस रोटी को खाने का टाइम ही हमारे पास नहीं है। ऐसे में धीरे-धीरे यह आदत हमारी सेहत पर भारी पड़ती जाती हैं। कई लोग अक्सर इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि ब्रेकफास्ट और लंच के बीच कितना गैप होना जरूरी है?

सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट रुजुता दिवेकर ने इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से लंच का सही समय

बताया है, उनके मुताबिक, सुबह 11 बजे से 1 बजे के बीच लंच करने का अच्छा समय होता है और अगर आपको लंच करने का यह समय जल्दी लगता है, या यदि आप मीटिंग्स या किसी काम में बिजी होने के चलते लंच नहीं कर पाते हैं, तो आप इस समय फलों का सेवन कर सकते हैं। दीवेकर के शेयर पोस्ट के मुताबिक आप केला या किसी अन्य फल का सेवन कर सकते हैं और समय मिलने पर लंच कर सकते हैं।

समय पर केला खाने से देर से भोजन करने की वजह से होने वाली गेस की समस्या और सिर दर्द की समस्या से राहत मिलती है।

डेंटल हेल्थ से जुड़ीं इन गलतफहमियों के कारण दांत होते हैं कमजोर, जानें मिथक और सच

दांतों के प्रति अक्सर लोग लापरवाह हो जाते हैं। ज्यादातर लोग सुबह ब्रश करने को ही काफी मान लेते हैं लेकिन दांतों की साफ-सफाई और मजबूती कई बातों पर निर्भर करती है। वहीं, दांतों के बारे में कुछ मिथक भी जुड़े हुए हैं, जिनमें से ज्यादातर बातें सही नहीं हैं। आइए, जानते हैं डेंटल से जुड़ीं कुछ गलतफहमियां और उनकी सच्चाई-

दांतों को सफेद करने वाले टूथपेस्ट के कारण आपके दांतों का रंग सुधरेगा।

हम अक्सर मानते हैं कि दांतों को सफेद करने वाले गम हमारे दांतों के पीले रंग को सफेद कर देंगे। ये गलत है! इन उत्पादों में कुछ श्वेत रसायन होते हैं, लेकिन यह आपके लिए पूरी तरह से सुरक्षित नहीं हैं।

दांत साफ करने से इनोमेल टिशू पर नकारात्मक प्रभावित पड़ेगा।

यह सच नहीं है! दांत सफेद करने का एक सिद्ध दंत चिकित्सा प्रक्रिया है जो पेशेवर दंत चिकित्सकों द्वारा किया जाना चाहिए। प्राकृतिक घरेलू उपचार या सौंदर्य सैलून जाने की बजाय, दंत चिकित्सकों से अपने दांतों की देखरेख करवाना बेहतर होता है।

दांत सफेद करना स्थायी समाधान है।

यह एक सच्चा तथ्य है कि पेशेवर उपचार के बाद, आपके दांत लंबे समय तक सफेद रहेंगे। लेकिन यह कहना गलत है कि आपके दांत जीवन भर के लिए सफेद बने रहेंगे। हमारी खाने की आदतें और जीवनशैली के साथ हमें नियमित रूप से दांत को सफेद करवाना चाहिए।

जब आपके मसूड़ों से खून बह रहा है तो आपको ब्रश करना बंद कर देना चाहिए।

ब्रश करते समय जब आपके मसूड़ों से खून बहता दिखे तो आपको चिकित्सक से तुरंत मिलना चाहिए। मसूड़ों से खून तभी बहता है जब आप अपने दांतों को ठीक से साफ नहीं करते हैं।

Covid-19: जूं और खुजली की दवा घटाएगी कोरोना से मौत का जोखिम, शोध में चला पता

एक नए शोध में पता चला है कि जूं और खुजली के इलाज में इस्तेमाल होने वाल दवा कोविड-19 से मृत्यु के जोखिम को 75 फीसदी तक कम कर सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, आइवरमेक्टिन नामक दवा कोरोना के उपचार में कारगर साबित हो सकती है।

शोधकर्ताओं ने इसके असर का पता लगाने के लिए वैश्विक स्तर

पर 30 से अधिक परीक्षण किए। उन्होंने पाया कि इस दवा ने कोरोना के उपचार में सुधार किया। यह शोध अमेरिकी जर्नल फ्रंटियर्स ऑफ फार्माकोलॉजी में प्रकाशित किया गया है।

अमेरिका में ईस्टर्न वर्जीनिया मेडिकल स्कूल में आपातकालीन देखभाल विभाग के निदेशक और शोध के सह-लेखक प्रोफेसर पॉल मारिक ने कहा कि हमारे पास परीक्षणों से प्राप्त पर्याप्त डाटा मौजूद है जो साबित करता है कि खुलजी के इलाज में इस्तेमाल की जाने वाली आइवरमेक्टिन दवा कोरोना संक्रमण के इलाज में अविश्वसनीय रूप से प्रभावी साबित हो सकती है।

शोधकर्ताओं ने इस दवा के व्यापक रूप से उपयोग की वकालत की है। इससे पहले लिवरपूल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एंड्रयू हिल के नेतृत्व में किए गए एक अध्ययन में भी दावा किया गया था कि गोली अथवा बूंदों के रूप में दी जाने वाली आइवरमेक्टिन दवा कोरोना से मृत्यु दर में लगभग तीन-चौथाई की कटौती कर सकती है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह की शुरुआत यात्रा से हो सकती है। पारिवारिक या व्यावसायिक कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। इस सप्ताह आप जैसा चाहेंगे वैसा होने में संदेह है। दूसरों के अनुसार चलना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। अचानक पैसों की आवश्यकता पड़ सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ : आर्थिक सामाजिक दृष्टि से सप्ताह महत्वपूर्ण है। बड़े फैसले लेने का समय है। संकटों से निजात पाने के लिए किसी की मदद जरूर लें। कार्य-व्यवसाय को रफ्तार देने के प्रयास करें। पारिवारिक सहयोग प्राप्त रहेगा, लेकिन आपको तेजी से निर्णय लेना पड़ेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। चिंता और तनाव परेशान करेगा।

मिथुन : मान-सम्मान, प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अटके हुए कार्यों को गति मिलेगी। नए कार्य-व्यवसाय की रूपरेखा बनेगी और उसे पूरा करने में सफल भी होंगे। महिलाओं के लिए सप्ताह महत्वपूर्ण है। नौकरीपेशा को बड़े पद ऑफर होंगे। व्यावसायिक गतिविधियां तेज होंगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जाने का मन बनेगा।

कर्क : पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक दृष्टि से सप्ताह उन्नतिदायक है। संपत्ति के अटके हुए काम हो जाएंगे। कार्य में परिवर्तन, स्थान में बदलाव होने की संभावना है। व्यापार में तेजी-मंदी का दौर थमेगा और आप एक स्थायित्व की ओर बढ़ेंगे। मानसिक शांति प्राप्त होगी। संतान पक्ष की चिंता दूर होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। रोगों से मुक्ति मिलेगी।

सिंह : पराक्रम, प्रतिष्ठा और संपन्नता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को बदलाव का सामना करना पड़ेगा लेकिन यह बदलाव शुभ दिशा में होगा। युवाओं को बड़े जॉब ऑफर हो सकते हैं। नया वाहन खरीदने के योग हैं। पैतृक संपत्ति प्राप्त होगी। शेयर मार्केट, कमोडिटी बाजार में लाभ के संकेत हैं। भाई-बहनों के साथ किसी बात पर मतभेद होने के संकेत हैं।

कन्या : स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। कमर दर्द, जोड़ों के दर्द की समस्या बनी रहेगी। मानसिक रूप से जरूर आप स्वस्थ और शांत रहेंगे। किसी बात पर परिजनों से मतभेद हो सकते हैं लेकिन उन्हें आपसी बातचीत से सुलझा लेंगे। नौकरीपेशा को उन्नति मिलने के संकेत हैं। कारोबारियों को कार्य विस्तार की दिशा मिलेगी।

तुला : आर्थिक दृष्टि से सप्ताह शुभ है। परिवार के साथ पर्यटन का अवसर आएगा। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। संपन्नता प्राप्त होगी। नई प्रॉपर्टी खरीदने के योग हैं। अपने पुराने मकान का रिनोवेशन करने का काम शुरू होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खर्च में कमी आएगी और बचत बढ़ेगी।

वृश्चिक : ध्यान रखें, क्रोध न करें। किसी बात पर क्रोध आए तो उसे नियंत्रित करें अन्यथा बने बनाए काम बिगड़ सकते हैं। संपत्ति को लेकर विवाद उभरेगा लेकिन आपको धैर्य रखना होगा। पैसों की कमी महसूस हो सकती है और इसके कारण कुछ काम अटक भी सकते हैं। नौकरी और व्यवसाय में ठहराव महसूस होगा।

धनु : आपके संयम, धैर्य और साहस की परीक्षा हो सकती है लेकिन आत्मविश्वास के दम पर आप हर परिस्थिति में विजेता की तरह उभरेंगे। सप्ताह भागदौड़ भरा जरूर रहेगा काम सही दिशा में होने के कारण आपमें एक अदम्य ऊर्जा का प्रवाह होगा। जीवन में आगे बढ़ना है तो ना कहने की आदत भी डालनी होगी।

मकर : सप्ताह में कार्यों को गति मिलेगी। अब तक जो कार्य आप करने से पीछे हट जाते थे या घबराकर छोड़ देते थे उन्हें पूरा करने की दिशा में बढ़ेंगे। किसी बात पर क्रोध आए तो किसी अच्छी बात के बारे में सोचें इससे मन बदलेगा। जीवनसाथी के साथ किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा कर उसका समाधान निकालेंगे।

कुंभ : सप्ताह मनोरंजन और पर्यटन में गुजरेगा। सप्ताह की शुरुआत में परिवार, जीवनसाथी या प्रेमी-प्रेमिका के साथ कहीं घूमने जाएंगे। घर-परिवार में आनंदोत्सव होगा। नाते-रिश्तेदारों से मिलना होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नए कार्य, व्यवसाय, नौकरी प्राप्त होगी। सामाजिक दृष्टि से कोई महत्वपूर्ण पद मिल सकता है।

मीन : सप्ताह में आपको अपनी सेहत और फिटनेस पर ध्यान देना होगा। ऊर्जावान बने रहने के लिए खानपान पर ध्यान दें। अच्छा साहित्य पढ़े, अच्छे लोगों की संगत करें। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। प्रेमी-प्रेमिका के साथ पर्यटन का अवसर आएगा। मानसिक शांति प्राप्ति होगी। बड़े काम संपन्न हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा।

तबीयत खराब थी, ना कोई दवा काम आई,
ना कोई ताबीज काम आया...!
फोन कर के साली से बात की,
तब जाकर थोड़ा आराम आया...

पत्नी मायके से वापस आई तो
पति दरवाजा खोलते हुए हंसने लगा...
पत्नी - ऐसे क्यों हंस रहे हो...?
पति - बाबा ने कहा था कि जब भी मुसीबत सामने आए उसका सामना हंसते हुए करो...!

नई दुल्हन ससुराल आई
सास - बहू, तुम्हें जो भी बनाना आता है जाकर बना लो
बहू- ठीक है मम्मी जी
सास- मुझे भी खिलाना देना...
थोड़ी देर में किचन से आवाज़ आई मम्मी जी, आपका भी सोडे के साथ बना दूं?

बनारस के कारीगरों से पीएम मोदी ने किया संवाद, दुनिया में खिलौना कैसे पहुंचाएं?

लकड़ी के खिलौना कारीगरों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संवाद किया। पीएम ने कहा कि ऐसा कोई ही होगा जिसने कठपुतली कला नहीं देखा। आज इम्प्लायमेंट के मूड में कठपुतली का प्रयोग कराते हैं या नहीं। क्या आपने कठपुतली के माध्यम से विज्ञापन दिया है। कठपुतलियों को मास्क लगाने की बात आई है। आपके पास राजनीतिक पार्टियां भी आएंगी कि आपलोग उनका प्रचार करें। आप नयापन लाएं, आप पहले पंचतंत्र की कहानियों पर आधारित रहते थे। परंपरा का पालन करते हुए नयापन लाने से ही लोगों संग कला के जरिए जुड़ाव होगा।

संवाद के दौरान पीएम ने कहा कि बच्चों को आयोजन जरूर दिखाएं। यहां के खिलौनों को दुनिया में कैसे पहुंचाएं, यह सोचें। पीएम ने प्रश्न पूछा कि क्या यहां बनने वाले खिलौनों को बाहर बेचने का प्रयास किया है। शिल्पियों से कहा कि नए तरीके अपनाएं। सरकार जितना काम करें उतना अच्छा है। हम सक्रियतापूर्वक आपसे जुड़ेंगे, आपके साथ एक वर्कशाप करेंगे। बच्चों से क्या चर्चा करते है कि वे जो खिलौने बना रहे हैं, उनकी क्या लोकप्रियता है। इस पर चर्चा करेंगे तो बच्चे जागरुक भी होंगे और देश का कारोबार भी गति पाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया टॉय फेयर 2021 में काशी के रामेश्वर सिंह से ऑनलाइन बात की। इस से पहले उन्होंने जब काशी की बात आई उन्होंने कहा कि जब हम काशी में आए हैं तो हर हर महादेव का नारा तो लगना ही चाहिए। इसके बाद सभी ने हर हर महादेव के उद्घाघोष से पीएम का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम वाराणसी आते हैं तो आप से जरूर मिलते हैं। आप लोग बताइए कि क्या बच्चों में ऐसी उत्सुकता देखी गई है कि वह खिलौने को भी मास्क लगाने की बात करते हैं।

हियुवा नगर संयोजक की गिरफ्तारी को लेकर थाने में बवाल, पुलिस ने भांजी लाठियां

उत्तर प्रदेश के देवरिया के रामपुर कारखाना थाना में शनिवार को हिंदू युवा वाहिनी के दर्जनों कार्यकर्ता पुलिस से भिड़ गए। इस दौरान जमकर नोकझोंक और हंगामा हुआ। हियुवा नगर संयोजक को गिरफ्तार करने पर आक्रोशित थे। पुलिस ने लाठियां भांजकर कार्यकर्ताओं को थाने से बाहर खदेड़ा। कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारे लगाए।

नगर पंचायत रामपुर कारखाना के सोनार टोली वार्ड में विवादित जमीन से पुलिस ने कोर्ट के आदेश का हवाला देकर शुक्रवार को एक पक्ष का कब्जा हटवा कर दूसरे का ताला बंद करा दिया था। मामले में पुलिस ने तनाव के बाद दोनों पक्षों और हिंदू युवा वाहिनी के नगर अध्यक्ष राजू यादव समेत आधा दर्जन कार्यकर्ताओं को थाने पर बिठा लिया था। बाद में पुलिस ने निजी मुचलके पर दोनों पक्षों और हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं को छोड़ दिया।

देर रात विवादित भूमि के पास दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। कब्जा हटाने और दोबारा कब्जा करने के प्रयास में दोनों पक्षों ने मारपीट कर लिया। शनिवार को हिंदू युवा वाहिनी के नगर संयोजक सतीश वर्मा ने पुलिस से कब्जा हटाने का कागजात दिखाने को कहा। लेकिन पुलिस ने कागजात दिखाने से इनकार कर दिया। इसके बाद विवादित भूमि के पास ही पुलिस और हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं में नोकझोंक होने लगी।

भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष गोपाल प्रसाद राजभर हिंदू युवा वाहिनी के नगर संयोजक सतीश वर्मा को अभद्र तरीके से थाने पर ले आए। उनके हिरासत में लिए जाने की जानकारी मिलते ही महामंत्री सुरेंद्र चौरसिया, जीतेश पांडेय समेत दर्जनों कार्यकर्ता थाने पहुंच गए। सतीश वर्मा को छोड़े जाने की मांग पर कार्यकर्ताओं और पुलिस में नोकझोंक के बाद झड़प हो गई। कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ थाने में भी जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। इसी दौरान समाधान दिवस के मौके पर एडिशनल एसपी डॉ रामयश सिंह पहुंच गए। उन्होंने सभी को समझा कर मामले को शांत कराया लेकिन उनके जाते ही दुबारा हियुवा कार्यकर्ताओं और पुलिस में नोकझोंक होने लगी।

बिहार में कर्मचारी चयन आयोग से होगी 1200 पुस्तकालयाध्यक्ष की नियुक्ति • शिक्षा मंत्री मंत्री विजय कुमार चौधरी

शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा की राज्य के उच्च माध्यमिक स्कूलों और अंगीभूत कॉलेजों में पुस्तकालयाध्यक्ष की नियुक्ति जल्द होगी। यह बहली कर्मचारी चयन आयोग से होगी। सरकार इसकी प्रक्रिया शुरू कर रही है।

मंत्री शुक्रवार को विधान परिषद में शिक्षा विभाग पर प्रेमचंद मिश्रा के सवाल का जवाब दे रहे थे। राज्य के 893 उच्च विद्यालय और लगभग तीन सौ कॉलेजों में यह व्यवस्था होगी यानी करीब 1200 पदों पर भर्ती होगी। सरकार पुस्तकालयाध्यक्ष पात्रता परीक्षा के लिए नियमावली तैयार कर रही है।

शिक्षा मंत्री ने सदन को बताया कि पुस्तकालयाध्यक्ष की आवश्यकता का आकलन करते हुए पात्रता परीक्षा के आयोजन का निर्णय लिया जाएगा। इसके साथ कॉलेजों में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष/पुस्तकालय सहायक के तृतीय श्रेणी के पद पर विश्वविद्यालयों के स्तर से नियुक्ति की कार्रवाई की जाती थी। अब शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए कर्मचारी चयन आयोग यह जिम्मेदारी दी जाएगी। इस संबंध में बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम के संगत धारा में अंकित प्रावधान के संशोधन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

CJI ने किया पटना हाईकोर्ट के शताब्दी भवन का उद्घाटन, सीएम नीतीश बोले-कानून का राज कायम करना सिर्फ सरकार का काम नहीं

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शरद अरविंद बोबडे ने शनिवार को पटना हाईकोर्ट के शताब्दी भवन का उद्घाटन किया। सीजेआई ने रिबन काटकर नए भवन का उद्घाटन और पट्टिका का अनावरण किया। इस शताब्दी भवन का निर्माण पटना हाईकोर्ट के पुराने भवन के ठीक बगल में किया गया है। इस मौके पर केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस इंदिरा बनर्जी समेत कई बड़ी हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम में बोलते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि कानून का राज कायम करना सिर्फ सरकार का काम नहीं, कोर्ट की भी जिम्मेदारी है।

सीएम ने कहा कि ट्रायल का काम तेजी से चलेगा तो अपराध पर अच्छा नियंत्रण होगा। न्यायपालिका का काम सबसे अहम है। हम लोगों के पास जो भी प्रस्ताव आता है उसे हम स्वीकार करते हैं। न्यायपालिका के लिए जो भी जरूरत है, जो भी प्रस्ताव होगा उसे हम तत्काल स्वीकार करेंगे। सिर्फ सरकार की बात नहीं है, विधायिक कानून बना सकता है, लेकिन सबसे बड़ी भूमिका न्यायपालिका की है।

कार्यक्रम में केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि आज मैं जीवन में जो भी कुछ कर पाया हूं, जो भी बन पाया हूं उसमें पटना हाईकोर्ट की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि उनके कई वर्ष यहीं गुजरे हैं। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल कर हैं। एजेंडा सेट करने के लिए लोग अपने हिसाब से जजमेंट चाहते हैं। मन-मुताबिक फैसला नहीं आने पर जजों के खिलाफ सोशल मीडिया पर मुहिम चलाई जाती है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। भारत स्वतंत्र राष्ट्र है, यहां बोलने की आजादी है, लेकिन नया ट्रेंड शुरू किया गया है।

क्या खास है नए भवन में

पटना हाईकोर्ट के नए भवन का निर्माण 203.94 करोड़ रुपए से हुआ है।

हालांकि पहले इसकी लागत 116 करोड़ रुपए आंकी गई थी। नए भवन में 43 कोर्ट रूम, 57 चैंबर्स हैं। दो लाइब्रेरी और अत्याधुनिक सुविधाएं यहां उपलब्ध हैं। 2014 में चार फरवरी को बसंत पंचमी के दिन इस भवन का शिलान्यास सीएम नीतीश कुमार ने किया था।

गंगा स्नान करने गए पांच युवक नदी में डूबे, तीन भाइयों को बचाया, दो की मौत

यूपी में गंगा स्नान करने गए अलग-अलग जिले के पांच लोग नदी में डूबे गए। जिसमें से तीन भाइयों को समय रहते निकाल लिया गया। इनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। जबकि दो लोगों की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद से परिवार में कोहराम मचा है। शाहजहांपुर जिले परौर के मोहनपुर गांव के जयपाल प्रजापति के बेटे शिवम 11 साल, सुमित 8 साल, अमित 6 साल शनिवार को रामगंगा नदी में नहाने गए थे। बताते हैं कि नहाते समय तीन लोग डूबने लगे। नदी में डूबता देख हड़कंप मच गया। आनन-फानन में सुमित व अमित को तत्काल निकाल लिया गया, जबकि शिवम को काफी देर बाद तलाश कर पाए। वहीं दूसरी ओर बदायूं जिले के फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के आसफपुर के रहने वाले अभिनीत गुप्ता और विजय गुप्ता, शुक्रवार की रात संभल जिले के राजघाट पर गंगा स्नान करने गए थे। नदी में नहाते समय अचानक दोनों गहने पानी में चले गए और डूबने लगे। दोनों को काफी देर बाद नदी से मृत निकाला गया।

बिहार के गया में नक्सलियों के मंसूबे नाकाम, सुरक्षाबलों ने 83 आईईडी विस्फोटकों को किया डिफ्यूज

बिहार के गया जिले में सुरक्षाबलों ने सर्च अभियान के दौरान 83 आईईडी विस्फोटक बरामद करने के बाद उसे डिफ्यूज कर नक्सलियों के बड़ी घटना को अंजाम देने के मंसूबे नाकाम कर दिया। घटना शुक्रवार को प्रखंड की छकरबंधा पंचायत और उससे लगे हुए औरंगाबाद के मदनपुर थाना क्षेत्र की है।

कोबरा 205 बटालियन, सीआरपीएफ की 159वीं एवं 47वीं बटालियन के जवानों ने संयुक्त अभियान के दौरान गया जिले के अति नक्सल प्रभावित डुमरिया प्रखंड के छकरबंधा थाना क्षेत्र के छकरबंधा वन क्षेत्र में नक्सलियों के द्वारा ढकपहरी, सागरपुर एवं खजौतिया जाने वाला रास्त पर औरंगाबाद जिले के मदनपुर के सीमावर्ती क्षेत्र में लगभग 150 मीटर में लगाए गए कुल 83 बारूदी सुरंग को सर्च अभियान के दौरान बरामद करके नष्ट कर दिया गया। नक्सली के द्वारा लगाए गए बारूदी सुरंग ,तीन नग आईईडी जिसमें प्रत्येक का वजन 20 किलोग्राम, 71 नग आईईडी जिसमें प्रत्येक का वजन 10 किलोग्राम एवं 9 आईईडी जिसमें प्रत्येक का वजन 5 किलोग्राम कुल 815 किलोग्राम विस्फोटक बारूद का इस्तेमाल किया गया था। सभी आईईडी को सीरीज में लगाया गया था। ताकि पुलिस, सीआरपीएफ, कोबरा के जवानों को भारी मात्रा में नुकसान पहुंचाया जा सके।

जुए में हारे रुपये चुकाने को किशोर ने सोने की लॉकेट छीनकर 8 साल के बच्चे को मार डाला, बवाल

बिहार के मुजफ्फरपुर में जुए में हारे रुपये चुकाने के लिए किशोर ने पड़ोस के छात्र की सोने की लॉकेट(हनुमानी लॉकेट) छीनकर हत्या कर दी और शव को पोखर में ठिकाने लगा दिया। घटना कुम्हरापाकड़ मीरापुर गांव की है। चार दिन बाद गुरुवार रात दो बजे बच्चे का शव पानी से बरामद हुआ। घटना को लेकर चार दिनों से जारी तनाव शुक्रवार को बवाल में बदल गया। ग्रामीणों ने सड़क जाम कर आगजनी और प्रदर्शन किया।

मृत छात्र शादिकपुर मुरौल गांव के ट्रक चालक राजदेव राय का इकलौता पुत्र अजीत कुमार (8) था। वह तीसरी कक्षा का छात्र था। हत्या से आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने मुजफ्फरपुर-पूसा सड़क को मुरौल गांव के पास बांस बल्ला और लकड़ी रखकर जाम कर दिया। आक्रोशित लोग छात्र की हत्या में शामिल अन्य बदमाशों की पहचान कर गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। सरकारी स्तर से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे।

मौके पर पहुंचे डीएसपी पूर्वी मनोज पांडेय ने आक्रोशित लोगों को समझाकर शांत कराया। डीएसपी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि सकरा पुलिस सहयोग और कारवाई करने में आनाकानी करे तो सीधे उन्हें फोन कर जानकारी दें, तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

इसके बाद सड़क जाम समाप्त हुआ। पिता के नेपाल से लौटने के बाद छात्र का दाह संस्कार कर दिया गया।

बेतिया में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे, हिंसक झड़प में 6 घायल

बेतिया में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। इसमें छह लोग जख्मी हो गए हैं। घटना शनिवार सुबह की है। घटना उस समय की है जब जमीन विवाद को सुलझाने को लेकर ग्रामीणों ने दोनों पक्षों की बैठक बुलाई। पंचों के समक्ष दोनों पक्ष उग्र होकर आपस में मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान घर को भी काफी नुकसान पहुंचाया गया। घटना को लेकर गांव में तनाव की स्थिति उत्पन्न है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों से बात कर मामला शांत कराया और जख्मी लोगों को जीएमसीएच बेतिया पहुंचाया। खबर लिखे जाने तक पुलिस केस नहीं कराया गया था। थाना अध्यक्ष राम विनोद सिंह ने बताया कि शिवरही मठिया में दो पक्षों के बीच भूमि विवाद को लेकर शनिवार को मारपीट हो गई। इसमें एक पक्ष के आनंद कुमार, अमेरिका प्रसाद और द्वितीय पक्ष के सबिला खातून, रुबीना खातून, सकीना खातून, हसीना खातून समेत करीब छह लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं। घटनास्थल से जख्मी लोगों को बेतिया अस्पताल पहुंचाया है। साथ ही दोनों पक्षों से बात कर मामला शांत करा दिया गया है। आवेदन मिलने पर एफआईआर दर्ज कर दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

स्वार्थ के लिए संतों के स्थल पर जाकर नाटकबाजी कर रहीं राजनीतिक पार्टियां • मायावती

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शनिवार को संत रविदास की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और केंद्र तथा राज्य सरकारों से संत रविदास के बताए रास्ते पर चलकर समाज व देश का कल्याण करने की अपील की। मायावती ने राजनीतिक दलों पर संतों के स्थल पर जाकर नाटकबाजी करने का आरोप लगाया। शनिवार को बसपा द्वारा जारी एक बयान में कांग्रेस, भाजपा व अन्य विरोधी दलों पर हमला करते हुए बसपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस, भाजपा व अन्य विरोधी दल, बसपा की स्थापना से पहले देश में दलितों, आदिवासियों व अन्य पिछड़े वर्गों में जन्में महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों की हमेशा उपेक्षा करते रहे हैं और यह किसी से छिपा नहीं है, लेकिन आज ये राजनीतिक पार्टियां अपने स्वार्थ के लिए इन महापुरुषों की जयंती आदी पर इनसे जुड़े स्थलों पर जाकर नाटकबाजी कर रही हैं। मायावती ने कहा कि दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों को इनसे सावधान रहने की जरूरत है।उल्लेखनीय है कि कांग्रेस महासचिव व उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा वाराणसी में शिरोमणि संत रविदास मंदिर में दर्शन पूजन के बाद सत्संग में शामिल हुईं। राजग गठबंधन में शामिल रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया (आठवले) के अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले लखनऊ में रविदास जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इनके अलावा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी वाराणसी में रविदास जयंती के अवसर पर अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल होंगे। बसपा प्रमुख ने सुबह एक ट्वीट में संत रविदास को नमन करते हुए कहा, मन चंगा तो कठौती में गंगा का अमर मानवतावादी संदेश देने वाले महान संत गुरु रविदास जी की जयन्ती पर उन्हें शत्-शत् नमन व देश व दुनिया में रहने वाले उनके करोड़ों अनुयाइयों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

रामदास आठवले बोले- उत्तर प्रदेश में लोगों की बसपा से नाराजगी बढ़ रही है

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को कहा कि अगर बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती उनकी पार्टी में शामिल हो जाएं तो वह अपनी पार्टी के अध्यक्ष का पद मायावती को दे देंगे और खुद उपाध्यक्ष बन जाएंगे। शनिवार को आठवले ने कहा, 'भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद अगर मेरी पार्टी में आएं तो मैं उन्हें महत्वपूर्ण पद दूंगा और अगर मायावती आरपीआई में आ जाएं तो उन्हें अध्यक्ष का पद देकर खुद उपाध्यक्ष बन जाऊंगा, क्योंकि यह बाबा साहेब (डॉक्टर भीम राव आंबेडकर) की पार्टी है।' संवाददाताओं ने भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद के साथ तालमेल को लेकर आठवले से सवाल पूछा था। इस पर उन्होंने आजाद के साथ ही मायावती को भी पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया। आठवले ने कहा, 'उत्तर प्रदेश में लोगों की बसपा से नाराजगी बढ़ रही है और लोग आरपीआई की तरफ आ रहे हैं। अगर भाजपा यहां हमारी पार्टी के लिए आठ-दस सीटें छोड़ दे तो आरपीआई बसपा को झटका दे सकती है।' उन्होंने कहा कि 'उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव के लिए हम भाजपा के साथ समझौता करना चाहते हैं और आज शाम को इस बारे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हमारी बातचीत होगी। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी बातचीत होगी।' यह पूछे जाने पर कि पांच वर्ष से आप बातचीत कर रहे हैं लेकिन भाजपा आपको एक भी सीट नहीं दे रही है, केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'अभी हमारा संगठन बहुत मजबूत नहीं है लेकिन अब जिलों में भी हम संगठन को मजबूत कर रहे हैं।' उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों की सराहना की।

जंगल में पेड़ से लटकते मिले लड़का और नाबालिग लड़की के शव, खुदकुशी की आशंका

उत्तर प्रदेश के संभल के चंदौसी के कुढ़फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के ममरेजपुर गांव में शनिवार दोपहर एक लड़का और लड़की के शव जंगल में पेड़ से लटकते हुए मिले। पुलिस को आशंका है कि दोनों एक-दूसरे से प्यार करते थे और किसी वजह से निराश होकर खुद के गले में फंदा डालकर खुदकुशी कर ली। हालांकि अन्य पहलुओं पर भी जांच पड़ताल चल रही है। मिली जानकारी के अनुसार संभल के चंदौसी के थाना कुढ़फतेहगढ़ क्षेत्र के ममरेजपुर गांव में शनिवार दोपहर लोगों ने जंगल में एक पेड़ से 20 वर्षीय युवक रोहित उर्फ बबलू के शव को लटकते देखा। थोड़ी देर बाद वहीं बगल में एक पेड़ से लटकता हुआ नाबालिग लड़की मीनू का शव भी लोगों ने देखा।जंगल में इन दो शवों के पाए जाने की सूचना लोगों ने तत्काल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच-पड़ताल में जुट गई। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है।

SPORTS खेल जगत

साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान, शिखा पांडे बाहर

साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान कर दिया है। मिताली राज को वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि हरमनप्रीत कौर को टी20 टीम की कमान सौंपी गई है। तेज गेंदबाज शिखा पांडे को टीम में शामिल नहीं किया गया है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली जानी है, जिसका पहला मैच 7 मार्च को लखनऊ में होगा।

कोरोना वायरस के चलते लगे लॉकडाउन के बाद से यह भारतीय महिला टीम की पहली इंटरनेशनल सीरीज होगी। टीम ने अपना आखिरी मैच टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल के रूप में खेला था, जहां टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

शेफाली वर्मा को टी20 टीम में शामिल किया गया है, लेकिन वह वनडे टीम में जगह बनाने में नाकाम रहीं हैं।

लगातर खराब फॉर्म से जूझ रहीं विकेटकीपर बल्लेबाज तान्या भाटिया को किसी भी टीम में जगह नहीं दी गई है।

भारतीय महिला टीम की खिलाड़ियों ने आईपीएल के दौरान विमेंस चैलेंजर्स टूर्नामेंट खेला था, जिसमें स्मृति मंधाना का प्रदर्शन बल्ले से काफी शानदार रहा था।

सीरीज का आगाज वनडे से होगा, जिसका पहला मैच 7 मार्च और आखिरी मुकाबला 15 मार्च को खेला जाएगा।

2 दिन में ही खत्म हुआ डे-नाइट टेस्ट, क्या भारत में अब नहीं होंगे पिंक बॉल से मैच?

भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट दो दिन में ही समाप्त होने के बाद अहमदाबाद के मोटेरा की पिच को लेकर बहस छिड़ गई है। पिच की इंग्लैंड के कई पूर्व क्रिकेटर और ब्रिटिश मीडिया आलोचना भी कर चुके हैं। जिन इंग्लिश क्रिकेटरों ने इसकी आलोचना की, उसमें एलिस्टर कुक, केविन पीटरसन और माइकल वॉन का नाम शामिल है। इसके उलट इंग्लैंड के ही जोफ्री बॉयकॉट और भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर पिच का बचाव करते नजर आए। इस पूरे विवाद के बाद ऐसी उम्मीद है कि भारत में आगे अब डे-नाइट टेस्ट मैच का आयोजन नहीं होगा, क्योंकि भारतीय क्रिकेटरों ने बीसीसीआई से अनुरोध किया है कि भविष्य में भारत में पिंक बॉल से टेस्ट ना हो।

'इंडियन एक्सप्रेस' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई के एक पदाधिकारी ने कहा कि, "हां, हमें ऐसा अनुरोध मिला है और हम भविष्य में जब भी बैठक करेंगे तो इस बारे में सोचेंगे।" उन्होंने कहा कि पिंक बॉल की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह लाल गेंद के मुकाबले ज्यादा तेजी से 'स्किड' करती है। लगातार लाल बॉल से खेलने की वजह से अक्सर बल्लेबाजों को लगता है कि पिंक बॉल उसी स्पीड से बल्ले पर आएगी, लेकिन ऐसा होता नहीं है। पिंक बॉल में भारत के रिकॉर्ड को देखें तो अब तक टीम इंडिया ने अपने घरेलू मैदान पर दो डे-नाइट टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें दोनों में ही उसे जीत हासिल हुई है।

टीम ने पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेला था, जिसका नतीजा तीसरे दिन के पहले सेशन में आ गया था।

IPL 2021 के लिए BCCI ने शॉर्टलिस्ट किए पांच शहर, मुंबई का नाम लिस्ट से गायब

इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के लिए बीसीसीआई ने पांच शहरों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिसमें अहमदाबाद, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और दिल्ली का नाम शामिल है। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए इस लिस्ट में अभी मुंबई का नाम नहीं रखा गया है। मुंबई को अभी एक विकल्प के तौर पर रखा गया है और बीसीसीआई इसको लेकर महाराष्ट्र सरकार से बातचीत करेगी। कोविड-19 के चलते आईपीएल 2020 का आयोजन यूएई में कराया गया था।

महाराष्ट्र सरकार कोरोना वायरस की दूसरी लहर के कारण अभी मुंबई में आईपीएल के आयोजन के लिए अनुमति को लेकर दुविधा में है। बीसीसीआई ने कुछ दिनों पहले कहा था कि आईपीएल के इस सीजन के सारे मैचों को एक शहर में करवाने पर विचार किया जा रहा है।

आईपीएल 2021 के लिए चेन्नई में हुए ऑक्शन में क्रिस मौरिस पर जमकर पैसों की बरसात हुई थी और उनको राजस्थान रॉयल्स की टीम ने 16.25 करोड़ में खरीदा था।

वहीं, ग्लेन मैक्सवेल को 14.25 और काइल जेमीसन को 15 करोड़ में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने अपनी टीम में शामिल किया।

कोविड-19 के चलते ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला चौथा टी20 मैच हुआ शिफ्ट, दर्शकों के आने पर भी लगी रोक

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही पांच टी20 मैचों की सीरीज का चौथा टी20 मुकाबला अब ऑकलैंड की जगह वेलिंग्टन में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के शहर ऑकलैंड में कोरोना वायरस का केस मिलने के बाद सात दिन का लॉकडाउन लगा दिया गया है। इसके साथ ही तीसरा और चौथा टी20 मैच बिना दर्शकों के बंद स्टेडियम में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड ने अबतक खेले गए दोनों ही मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की है।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने कोराना वायरस का नया केस सामने आने के बाद देश के सबसे बड़े शहर में लॉकडाउन में ऐलान किया। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक बयान में कहा, 'वेलिंग्टन में बुधवार को होने वाले दोनों मैच प्लान के मुताबिक खेले जाएंगे, लेकिन बिना दर्शकों के।' न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि जिन लोगों ने भी टिकट ली है उनका पूरा पैसा वापस किया जाएगा। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की महिला टीम के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज पर भी इसका असर पड़ेगा।

सीरीज का तीसरा टी20 मुकाबला वेलिंग्टन में खेला जाना है, जबकि पहले शेड्यूल के मुताबिक चौथा टी20 मैच ऑकलैंड में होना था। न्यूजीलैंड की टीम का प्रदर्शन इस टी20 सीरीज में बेहद शानदार रहा है। दूसरे मैच में टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4 रनों से शिकस्त दी थी। मार्टिल गुप्टिल द्वारा 50 गेंदों में खेली गई 97 रनों की पारी के चलते न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 219 रन बनाए थे। जिसका पीछा करते हुए मार्कस स्टोयनिस (78) और डैनियल सैम्स (41) की पारियों के बावजूद कंगारू टीम 8 विकेट खोकर 215 रन ही बना सकी थी। पहले टी20 मुकाबला न्यूजीलैंड ने 53 रनों से जीता था।

आखिरी टेस्ट मैच से पहले इंग्लैंड को लगा बड़ा झटका, क्रिस वोक्स लौटे देश, वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही चार मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया इस समय 2-1 से आगे है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 10 विकेटों से करारी शिकस्त दी। जिसके बाद से ही इंग्लैंड की रोटेशन पॉलिसी को लेकर जमकर आलोचना की जा रही है। अब 31 वर्षीय ऑलराउंडर क्रिस वोक्स भी इंग्लैंड वापस जा रहे हैं। वह आखिरी टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। इंग्लैंड की टीम पहले साउथ अफ्रीका, फिर श्रीलंका और अब भारत के दौरे पर है। जिसके कारण खिलाड़ी बायो बबल (कोविड-19) प्रोटोकॉल को लेकर काफी परेशान हैं। अब जब क्रिस वोक्स को यह जानकारी हुई कि वह आखिरी टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा नहीं होंगे तो उन्होंने वापस घर जाने का निर्णय किया। वोक्स से पहले मोइन अली, सैम करन, जोस बटलर भी वापस देश जा चुके हैं।

देश परदेश

अब ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले ड्राइवरों की खैर नहीं, भ्रष्ट अधिकारी भी नपेंगे, मोदी सरकार करने जा रही यह काम

केंद्र सरकार देश के हाईवे और शहरी ट्रैफिक की दुनिया में डिजिटल युग की शुरुआत करने जा रही है। राज्यों की पुलिस व परिवहन विभाग के अधिकारियों को हाईटेक बनाने का खाका खींचा गया है। इसके तहत पुलिस-ट्रैफिक व परिवहन अधिकारियों के शरीर पर बॉडी कैमरा लगेंगे। सरकार के इस कदम से ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले ड्राइवरों पर शिकंजा कसेगा। राज्यों की पुलिस व परिवहन अधिकारियों को हाईटेक बनाने के लिए उनके वाहनों के डैशबोर्ड पर सीसीटीवी कैमरे, हाईवे-जंक्शन पर स्पीड कैमरे आदि डिजिटल उपकरणों को लगाने की योजना है। बॉडी कैमरे की वीडियो-ऑडियो रिकॉर्डिंग अदालत में बतौर सबूत पेश किए जाएंगे। इससे चौराहे और हाईवे पर उगाही करने वाले भ्रष्ट अधिकारियों पर लगाम लगेगी। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने 25 फरवरी को सड़क सुरक्षा, प्रबंधन की निगरानी व प्रवर्तन संबंधी मसौदा नियम हितधारों से सुझाव-आपत्ति के लिए जारी कर दिए हैं।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निगरानी व प्रवर्तन व्यवस्था की खास बात यह होगी कि लाल बत्ती पार करना, ओवर स्पीड, गलत पार्किंग, सीट बैल्ट, हेलमेट, मोबाइल पर बात करने जैसे ट्रैफिक नियमों को तोड़ने की घटना की वीडियो-ऑडियो रिकॉर्डिंग को अदालत में सबूत के तौर पर पेश किया जाएगा। जिससे उल्लघंन करने वाले इनकार नहीं कर सकेंगे। वहीं, ट्रैफिक पुलिस अनावश्यक वाहन चालक को पेरशान नहीं कर सकेंगे और ले देकर उनको छोड़ने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा। विशेषकर हाईवे पर ट्रकों से हजारों करोड़ की अवैध वसूली के धंधे में कमी आएगी।

पुलिस व सरकारी वाहनों के डैशबोर्ड पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। अधिक दबाव वाले नेशनल हाईवे, जंक्शन, राज्य राजमार्गों पर यह वाहन खड़े रहेंगे जिसके साथ ही स्पीड कैमरे लगेंगे।

सपने में भी राफेल तक नहीं पहुंच पाएगा पाकिस्तान, जानें कैसे आतंक के आका के लिए भारत ने खोदी लंबी खाई

जब फ्रांस के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार इमैनुएल बोने 7 जनवरी को एक रणनीतिक वार्ता के लिए भारत आए थे तब भारतीय वायु सेना की ओर से उनके सामने एक अहम सवाल था कि किसी भी तरह राफेल लड़ाकू विमान की तकनीक, विशेषकर इसकी मिसाइल क्षमता को पाकिस्तान से दूर रखा जाए।

भारत ने राजनयिक सलाहकार इमैनुएल बोने को अवगत कराया कि भले ही राफेल विमान के निर्माता दसॉल्ट एविएशन, कतर को ओमनी-रोल प्लेटफ़ॉर्म राफेल बेच रहा है, मगर पेरिस को यह सुनिश्चित करना होगा कि दोहा (कतर की राजधानी) द्वारा किसी भी पाकिस्तानी मूल के व्यक्ति को राफेल तक पहुंचने का एक्सेस नहीं मिलना चाहिए।

इसके बाद पेरिस ने भारत को न केवल राफेल तकनीक का आश्वासन दिया है, विशेष रूप से जो मेटियोर एयर-टू-एयर मिसाइल को पाकिस्तान की पहुंच से बाहर रखा जाएगा, बल्कि यह भी कि इस्लामाबाद की सैन्य टुकड़ियों में अब मिराज 3/5 लड़ाकू विमान या अगस्ता 90 बी को अपग्रेड नहीं किया जाएगा।

बालाकोट हमले के एक दिन बाद 27 फरवरी, 2019 को पाकिस्तानी वायु सेना की जवाबी कार्रवाई के दौरान अपनी मिग-21 खोने के बाद भारत ने इस गारंटी की मांग की थी।

उस दिन पाकिस्तान अमेरिका को दिए अपने वादे से मुकर गया, जिसमें उसने भरोसा दिलाया था कि वह केवल आतंक के खिलाफ युद्ध में एफ-16 विमान का उपयोग करेगा और भारत के खिलाफ नहीं।

अमेरिका ने साउदी के 76 लोगों पर लगाया नया वीजा प्रतिबंध 'खगोशी बैन'

पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या मामले में सऊदी के प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान की संलिप्तता की रिपोर्ट सामने आने के बाद अमेरिका ने बड़ी कार्रवाई की है। अमेरिका ने सऊदी अरब के 76 लोगों पर वीजा बैन लगाया है। अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में सऊदी के प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान द्वारा जमाल खाशोगी की हत्या को मंजूरी दिए जाने की खबर के बाद अमेरिकी राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकेन ने एक नई वीजा प्रतिबंध नीति 'खशोगी बैन' का ऐलान किया है। इसी के तहत सऊदी के उन 76 लोगों को बैन किया गया है, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे विदेशों में अपने खिलाफ बोलने वाले लोगों को धमकाते रहे हैं।

अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि सऊदी अरब के वली अहद ने इस्तांबुल स्थित सऊदी उच्चायोग में पत्रकार जमाल खशोगी को 'पकड़ने या उसकी हत्या करने के अभियान को मंजूरी दी। यह जानकारी शुक्रवार को सार्वजनिक की गई एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट से सामने आयी।

नाइजीरिया: एक स्कूल से 300 छात्राओं का अपहरण

उत्तरी नाइजीरिया में एक स्कूल की लगभग 300 छात्राओं को अगवा करने का मामला सामने आया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हथियारबंद लोगों के एक समूह ने शुक्रवार तड़के स्कूल पर धावा बोला। इसके बाद से सैकड़ों छात्राएं लापता हैं। नसीरू अब्दुल्लाही ने बताया कि स्कूल के रिकॉर्ड के अनुसार 300 लड़कियां लापता हैं, जिनमें उनकी 10 वर्षीय और 13 वर्षीय बेटियां भी शामिल हैं। स्थानीय नागरिक मूसा मुस्तफा ने कहा कि हथियारबंद लोगों ने पास के ही सैन्य शिविर और सुरक्षा चौकी पर भी हमला किया ताकि सैनिक कोई जवाबी कार्रवाई नहीं कर सकें। मुस्तफा ने दावा किया कि हमलावर समूह के लोग घंटों तक स्कूल में ही रहे। हालांकि, किसी के हताहत होने के संबंध में कोई सूचना नहीं है। पश्चिमी अफ्रीकी इस देश में पिछले कई सालों से इस तरह से अपहरण करने और हमला करने के मामले सामने आते रहे हैं। शुक्रवार की घटना से करीब दो सप्ताह पहले भी नाइजर राज्य में एक कॉलेज से हथियारबंद लोगों ने 42 लोगों को अगवा कर लिया था जिनमें 27 छात्र भी शामिल थे।

चीन में 7 बच्चे पैदा करना इस कपल को पड़ा बहुत महंगा, भरने पड़ गए 1 करोड़ रुपए

चीन में दो बच्चों की निति का उल्लंघन करना एक दंपति को भारी पड़ गया और इसके एवज में उसे लाखों रुपए का भुगतान करना पड़ा। दरअसल, चीन के इस दो बाल नीति दंपतियों को सिर्फ दो बच्चे पैदा करने की अनुमति देती है। लेकिन एक चीनी दंपति ने इस कानून का उल्लंघन करते हुए सात बच्चों को जन्म दिया, ताकि उन्हें कभी अकेला न रहना पड़े। लेकिन उनका से कारनामा उन्हें भारी आर्थिक नुकसान दे गया।

इस दंपति को नियम विरुद्ध जाकर इतने बच्चे पैदा करने के लिए सरकार को सामाजिक समर्थन शुल्क के तौर पर 155,000 डॉलर (एक करोड़ से अधिक रुपये) का भुगतान करना पड़ गया। ऐसा न करने पर उनके अतिरिक्त बच्चे सरकारी पहचान दस्तावेज प्राप्त नहीं कर सकते थे।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक 34 वर्षीय चीनी व्यवसायी झांग रोंग्रॉन्ग और उसके 39 वर्षीय पति के पांच लड़के और दो लड़कियां हैं। इन बच्चों की उम्र एक से 14 वर्ष के बीच है। दो बच्चों से ज्यादा बच्चे होने पर इस दंपति एससीएमपी के हिसाब से भुगतान करना पड़ा है। झांग दक्षिण-पूर्व चीन के गुआंगडोंग प्रांत में स्किनकेयर, गहने और परिधान कंपनियां चलाती है। झांग ने पोस्ट के हवाले से कहा कि उसने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि वह कई बच्चे चाहती थीं ताकि उन्हें कभी अकेले न रहना पड़े। सातवें बच्चे को बताया आखिरी बच्चा झांग के मुताबिक, जब मेरे पति दूर की यात्राओं पर होते हैं और बड़े बच्चे भी पढ़ाई के लिए दूर चले जाते हैं, तब भी मेरे आस-पास मेरे अन्य बच्चे रहते हैं। इससे मुझे अकेलापन महसूस ही नहीं होता। मैंने सोचा कि जब मैं बूढ़ी हो जाऊंगी तो मेरे बच्चे मुझे अलग-अलग बैचों में देख सकते हैं। उसने पोस्ट को बताया कि उनका सातवां उनका अंतिम बच्चा होगा क्योंकि उसके पति की 2019 में पुरुष नसबंदी हुई थी।

2015 में चीन ने खत्म की थी एक बाल निति

चीन ने 36 साल बाद 2015 में अपनी एक-बाल नीति को समाप्त कर दिया। यह नीति 1979 में देश की जनसंख्या वृद्धि को धीमा करने के लिए शुरू की गई थी और इसने थोड़ा बहुत काम किया होगा। भले ही परिवारों को अब दो बच्चे पैदा करने की अनुमति है, लेकिन बहुत से परिवार अभी भी केवल एक बच्चा या फिर बिना बच्चों के रहने को ज्या तरजीह दे रहे हैं।

'गंगूबाई काठियावाड़ी' के टीजर से इम्प्रेस हुईं जाह्नवी कपूर, आलिया भट्ट की एक्टिंग पर ऐसा था एक्ट्रेस का रिएक्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी नई फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह गंगूबाई के रोल में नजर आएंगी। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया गया, जो फैन्स को बहुत पसंद आया। कई बॉलीवुड सेलेब्स ने फिल्म के टीजर पर रिएक्ट करते हुए आलिया भट्ट की तारीफ की।

अब 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के टीजर पर जाह्नवी कपूर का रिएक्शन आया है।

सोशल मीडिया पर जाह्नवी कपूर का एक वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में देखा जा सकता है कि फोटोशूट के बीच जाह्नवी कपूर चेयर पर बैठकर 'गंगूबाई काठियावाड़ी' का टीजर देख रही हैं। टीम के लोग उनके आस-पास खड़े हैं। जाह्नवी कपूर 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के टीजर में आलिया भट्ट की एक्टिंग को देखकर इम्प्रेस हो जाती हैं।

फिल्म के टीजर में आलिया भट्ट की परफॉर्मेंस से कई सितारे इम्प्रेस हो चुके हैं।

टीजर रिलीज होने के बाद शाहरुख खान, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और करण जौहर जैसे सितारों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर आलिया भट्ट की एक्टिंग की तारीफ की थी।

फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। संजय के जन्मदिन के मौके पर फिल्म का पहला टीजर जारी किया गया था। फिल्म में आलिया भट्ट का किरदार गंगूबाई पर आधारित हैं, जिन्हें मुंबई के कमाठीपुरा के वैश्यालय की मालकिन के रूप में जाना जाता है।

इस फिल्म की कहानी को हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई के एक चैप्टर से लिया गया है। यह फिल्म 30 जुलाई, 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस फिल्म का ऐलान पिछले साल मार्च में किया गया था, लेकिन कोरोना महामारी के चलते फिल्म की शूटिंग पूरी नहीं हो पाई थी। पिछले साल अक्टूबर में फिर से फिर से शूट शुरू किया गया है।

बोनी कपूर की फिल्म 'नो एंट्री' से कमबैक कर रहे हैं फरदीन खान, निर्देशक अनीस बज्मी ने बताई सच्चाई

बॉलीवुड एक्टर फरदीन खान कुछ समय पहले अपने वजन घटाने और ट्रांसफॉर्मेशन के चलते सुर्खियों में आए थे। लंबा टाइम हो चला है जबसे फरदीन खान ने बड़े पर्दे से दूरी बनाई हुई है। अब खबरें आ रही हैं कि फरदीन खान, बोनी कपूर की फिल्म 'नो एंट्री' के सीक्वल से फिल्म इंडस्ट्री में कमबैक करने वाले हैं। साल 2010 से फरदीन लाइमलाइट से दूर हैं। इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी संभालेंगे। हालांकि, एक्टर की ओर से अभी तक इस पर कोई बयान नहीं आया है। वहीं, निर्देशक अनीस बज्मी ने टाइम्स ऑफ इंडिया संग बातचीत में कहा, "फरदीन ने मुझे कहा, चलो शुरू करते हैं। फरदीन मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। पहली फिल्म में वह शानदार नजर आए थे। मैंने कुछ समय पहले एक फोटो देखी थी, जिसे देखकर मैं शॉक्ड हो गया था। बाद में पता चला कि वह फरदीन थे। इसके बाद उन्होंने मुझे फोन किया था और पूछा था कि अनीस भाई, कैसा लगा आपको फोटो?"

अनीस आगे कहते हैं कि मैंने फरदीन को कॉम्प्लीमेंट दिया और कहा कि तुम शानदार दिख रहे हो। तुम डिजर्व करते हो। वह हमेशा से ही अच्छा दिखने वाला एक्टर रहा है और वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। वह अब काफी हेल्दी है। फरदीन ने मेरे से पूछा- क्या करना है? मैंने उनसे कहा कि मैं नो एंट्री के सीक्वल का इंतजार कर रहा हूं। उन्होंने भी कहा कि चलो शुरू करते हैं।

अब हम दोनों बस बोनी जी की हां का इंतजार कर रहे हैं।

बैंक लोन पर बनी शार्ट फिल्म 'लोन' की शूटिंग कम्पलीट

बहुत ऐसे लोग है इस दुनिया में जो बैंक से लोन तो लेलेते है लेकिन चुकाने में असमर्थ है और कुछ लोग ऐसे भी है जो लोन चुकाने के लिए लोन लेते है, आप खुद सोचिये की ऐसे लोगो की हालत क्या होगी, इनकी जिंदगी कितना दुख और तनाव से भरा होगा, जो लोग इस दुख को सहन कर लेते है उनकी जिंदगी दगरकर तो चलती रहती है, लेकिन जो लोग सहन नहीं कर सकते है तो या तो वो इस दुनिया से चले जाते है या वो अपने शहर से हमेशा के लिए गुमनाम हो जाते है, इसी टॉपिक पर आधारित शार्ट फिल्म राइट चॉइस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन के तैयार है जो मार्च 2021 में रिलीज़ होगी। इस फिल्म के निर्देशन किया है एस जे ने और कहानी लेखक है संतोष राज, कैमरामैन और एडिटर अमित चंदेल है और कलाकार है संतोष राज, किन्नेरी सिंह, अंकित राजपूत, गुलाबचंद, काजल तिवारी और प्रभात कुमार शर्मा। राइट चॉइस एंटरटेनमेंट के बैनर तले दूसरी शार्ट फिल्म भी बन के तैयार है जिसमे फॅमिली ड्रामा है जो अप्रैल में रिलीज़ होगी।

कार्तिक आर्यन पर छाया 'गेम ऑफ थ्रोन्स' का खुमार, 'जॉन स्नो' के इस सीन को किया रीक्रिएट

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों मनाली में अपनी नई फिल्म भूल भुलैया 2 की शूटिंग कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने पॉप्युलर टीवी सीरीज गेम ऑफ थ्रोन्स का सीन रीक्रिएट किया है। इस वीडियो को कार्तिक ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसे बहुत पसंद किया जा रहा है। वीडियो में कार्तिक का अंदाज देखने लायक है। कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "बाल कट गए, लेकिन स्नो वाला एटिट्यूड नहीं गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्तिक आर्यन बर्फीली पहाड़ी पर पोज दे रहे हैं। वह धीरे से कैमरे की तरफ मुड़ते हैं और गेम ऑफ थ्रोन्स के किरदार जॉन स्नो की तरह पोज देते हैं। वीडियो में कार्तिक ब्लैक जैकेट पहने दिख रहे हैं और उन पर बर्फ के टुकड़े गिर रहे हैं। वीडियो में गेम ऑफ थ्रोन्स का ट्रैक थीम सुनाई दे रहा है।

कार्तिक आर्यन का यह अंदाज उनके फैन्स को बहुत पसंद आया। एक फैन ने लिखा, "मेरे जॉन स्नो"। दूसरे फैन ने लिखा, "क्यूटी।" वहीं एक और फैन ने कमेंट कर कार्तिक आर्यन को नॉर्थ, साउथ, ईस्ट और वेस्ट का किंग बताया। बताते चलें कि फिल्म धमाका में कार्तिक आर्यन लंबे बालों में नजर आएंगे, लेकिन उन्होंने 'भूल भुलैया 2' की शूटिंग से पहले अपने बाल कटवा लिए हैं। एक दिन पहले उन्होंने एक पोस्ट शेयर हेयरकट की जानकारी फैन्स को दी थी। कार्तिक आर्यन ने अपनी फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "मनाली में कटेगा।"

बताते चलें कि फिल्म भूल भुलैया 2 में कार्तिक आर्यन के साथ कियारा आडवाणी लीड रोल में हैं। पिछले साल दोनों सितारों ने लखनऊ में शूटिंग की थी, लेकिन कोरोना वायरस के चलते शूटिंग को बीच में ही रोकना पड़ा था। फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी कर रहे हैं।

ऐश्वर्या राय बच्चन की हमशक्ल आमना इमरान ने किया फैन्स को 'घायल', पाकिस्तान से रखती हैं ताल्लुक

सोशल मीडिया पर हम अक्सर सेलिब्रिटीज के हमशक्ल को देख लेते हैं। हाल ही में पाकिस्तान की रहने वालीं टिक टॉकर आमना इमरान, एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन की हमशक्ल निकलीं। सोशल मीडिया पर आमना के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें फैन्स का कहना है कि वह एकदम ऐश्वर्या राय बच्चन की तरह दिखती हैं। फैन्स आमना को देखकर हैरान हो रहे हैं। अभी तक उनके इंस्टाग्राम पर 3.4 हजार फॉलोअर्स हैं। आमना अपनी कई फोटोज पोस्ट करती हैं, जिनमें वह ऐश्वर्या की तरह नजर आ रही हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन की कई फिल्मों के डायलॉग्स को लिप सिंक करते हुए आमना ने कई टिक टॉक पर वीडियोज शेयर किए थे। एक वीडियो में आमना 'ऐ दिल है मुश्किल' का एक सीन करती नजर आई थीं। हाल ही में आमना इमरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर फोटोग्राफर ने शेयर किया, जिसके बाद वह दोबारा सुर्खियों में आ गईं।

फैन्स का आमना को देखने के बाद कहना है कि उन्होंने ऐश्वर्या की तरह दिखने के लिए सर्जरी कराई है। ऐसे कॉमेंट्स पर रिप्लाई करते हुए आमना एक पोस्ट के जरिए लिखा, "शुक्रिया, प्यार, पॉजिटिविटी और सपोर्ट देने के लिए धन्यवाद, शुक्रगुजार हूं और मैंने कोई सर्जरी नहीं कराई है। नेगेटिविटी को खुद को दूर रखती हूं। सभी को ढेर सारा प्यार।"

अक्षय कुमार को कोर्ट ने जारी किया नोटिस, 10 मार्च को कटनी की अदालत में हाजिर होने का आदेश

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार, जी एंटरटेनमेंट के सुभाष चंद्रा के साथ-साथ रुस्तम फिल्म के निर्माता-निर्देशक व लेखक मुसीबत में पड़ गए हैं। बता दें कि, मामला 2016 में रिलीज हुई फिल्म रुस्तम के एक सीन से जुड़ा हुआ है। एक सीन में वकील को 'बेशर्म' कहने के कारण फरियादी मनोज गुप्ता की याचिका पर कटनी की अदालत ने नोटिस जारी किया है। साथ ही सभी को कोर्ट ने सभी को 10 मार्च को पेश होने का आदेश दिया है। आपको बता दें कि, साल 2016 में अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'रुस्तम' के एक सीन में संवाद के दौरान वकील को 'बेशर्म' कहने के कारण फरियादी मनोज गुप्ता ने कटनी की अदालत में याचिका दायर की है। बताया जा रहा है कि फरियादी खुद पेशे से वकील हैं। उन्होंने इस फिल्म को अपने साथी अंशु मिश्रा के देखी थी। उन्होंने याचिका में जिक्र करते हुए कहा है कि, फिल्म के एक सीन में फिल्म का मुख्य पात्र (अक्षय कुमार) दूसरे कलाकार (अनंग देवाई) से अदालत की कार्यवाही के दौरान जिरह करते हुए वकील के लिए "बेशर्म" जैसे शब्द का प्रयोग कर रहा है जो कि सरासर गलत है। साथ ही यह शब्द किसी भी व्यक्ति की विधिक कार्य प्रणाली को चुनौती देने वाला और उसकी पेशेवर जीवन को ठेंस पहुंचाने वाला है। ऐसे में वकील को बेशर्म शब्द से संबोधित करने के कारण समस्त वकीलों की मानहानि हुई। इसलिए फरियादी ने अदालत से फिल्म से जुड़े जिम्मेदार लोगों को दंडित किए जाने की गुहार लगाई है।

हिमांशी खुराना ने किया ऐश्वर्या राय बच्चन की फिल्म 'उमराव जान' का सॉन्ग रीक्रिएट, फैन्स बोले- हाय, जान ले लोगी

टीवी रिएलिटी शो 'बिग बॉस 13' कंटेस्टेंट हिमांशी खुराना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है जो तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, इस वीडियो में हिमांशी खुराना ने एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन की फिल्म 'उमराव जान' के एक गाने पर लिप सिंक किया है। इस गाने का नाम- सलाम है। इस वीडियो में हिमांशी ने बिल्कुल ऐश्वर्या का अवतार लिया हुआ है। ब्राउन कलर के सूट में हिमांशी हेवी मेकअप के साथ नजर आ रही हैं।

टीवी एक्ट्रेस आरती सिंह ने भी हिमांशी खुराना के वीडियो पर कॉमेंट किया है। आरती सिंह ने लिखा, "बेहद खूबसूरत दिख रही हैं आप हिमांशी जी।" इसके बाद एक यूजर ने लिखा, "हिमांशी जी आपकी आईब्राउज बहुत ही कातिलाना लग रही हैं।" इसके अलावा कई यूजर्स ने हार्ट इमोजी बनाई है।

कुछ दिनों पहले हिमांशी खुराना का एक गाना 'सुरमा बोले' रिलीज हुआ है। गाना रिलीज होने के बाद हिमांशी न्यूयॉर्क के टाइम्स स्वायर में भी फीचर की गई। इसकी जानकारी हिमांशी ने खुद सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैन्स को दी थी।

हिमांशी खुराना ने रिएलिटी शो 'बिग बॉस 13' से खूब पॉप्युलैरिटी हासिल की। शो से बाहर आने के बाद उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। हिमांशी ने बताया कि उन्हें जॉन अब्राहम की फिल्म का ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था। साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'परमाणु' में हिमांशी को जॉन की पत्नी का रोल प्ले करना था, लेकिन बात नहीं बन पाई।

Spotboye के साथ इंटरव्यू में हिमांशी खुराना ने बताया कि मेकर्स चाहते थे कि वह फिल्म में जॉन अब्राहम की पत्नी का रोल निभाए, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

हिमांशी ने बताया कि उन्हें वह ऑफर सही नहीं लगा था। उन्होंने कहा, "मैंने जॉन अब्राहम की फिल्म 'परमाणु' छोड़ दी थी। जब मुझे फिल्म का ऑफर मिला तो उस वक्त मैं दिल्ली में थी। मुझे जॉन अब्राहम की पत्नी का रोल करना था।

कई लोग चाहते थे कि मैं उस रोल को स्वीकार कर लूं, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे यकीन नहीं हो रहा था।"

अर्जुन कपूर ने की नीना गुप्ता की तारीफ

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'भूत पुलिस' को लेकर काफी बिजी चल रहे हैं। इस फिल्म का पोस्टर अभी हाल ही में रिलीज हुआ है। इस फिल्म के अलावा उनकी आने वाली फिल्म 'सरदार का ग्रैंड सन' है। इस फिल्म में अर्जुन बॉलीवुड अदाकारा रकुल प्रीत सिंह के साथ नजर आने वाले हैं। वहीं नीना गुप्ता इस फिल्म में अर्जुन की दादी मां बनीं हुई है। अर्जुन फिल्म में अम्रिक सिंह की भूमिका में हैं जो यूएस से अपनी दादी मां की आखिरी इच्छा पूरी करने लिए इंडिया लौटा है। फिल्म की कहानी यूएस-रिटर्न पोते की यात्रा के बारे में है।

इस फिल्म को लेकर अर्जुन कपूर और नीना गुप्ता ने अपनी फीलिंग जारी की हैं। वहीं दोनों ने एक दूसरे की तारीफ की है। हिंदुस्तान टाइम्स की खास बातचीत में अर्जुन कपूर 61 वर्षीय नीना गुप्ता की तारीफ करते हुए कहा कि मैं दूसरी बार नीना गुप्ता के साथ काम कर रहा हूं।

अर्जुन आगे कहते हैं कि कई साल पहले टीवी शो 'सांस' में मैं उन्हें अपनी मां के साथ देखता था।

वह एक अच्छी एक्ट्रेस हैं और मुझे काफी पसंद है। नीना की तारीफ करते हुए अर्जुन आगे कहते हैं कि जिस तरह नीना ने खुद को कैमरे पर उतारती हैं वह काबिले तारीफ है।

कई बार मैं उनकी एक्टिंग देखकर दंग रह जाता हूं। मैं कई बार उनसे बहुत कुछ सीखता हूं।

आलिया भट्ट की फैन्स ने 'गंगूबाई काठियावड़ी' के सीन्स को किया रीक्रिएट, एक्ट्रेस ने शेयर किए वीडियोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी नई फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया गया था, जिसे खूब पसंद किया गया। ट्रेलर में आलिया के लुक से लेकर उनके दमदार डायलॉग्स ने फैन्स का दिल जीत लिया है। कई फैन्स ने फिल्म 'गंगूबाई काठियावाडी' के डालयॉग पर वीडियोज बनाए हैं, जिन्हें आलिया ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

आलिया ने इंस्टा स्टोरी पर फैन्स के कई वीडियो पोस्ट किए हैं। एक फैन ने आलिया के डायलॉग 'कुंवारी किसी ने छोड़ा नहीं, और श्रीमति किसी ने बनाया ही नहीं', पर वीडियो बनाया है।

दूसरी फैन कहती है, "गंगू चांद थी, चांद ही रहेगी।" एक बुजुर्ग महिला कहती है, "किसी से डरने का नहीं, ना मंत्री से, ना एमएलए से, ना पुलिस और ना किसी के बाप से डरने का।"

फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है।

संजय के जन्मदिन के मौके पर फिल्म का पहला टीजर जारी किया गया था।

फिल्म में आलिया भट्ट का किरदार गंगूबाई कोठेवाली पर आधारित हैं, जिन्हें मुंबई के कमाठीपूरा के वैश्यालय की मालकिन के रूप में जाना जाता है।

इस फिल्म की कहानी को हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई के एक चैप्टर से लिया गया है।

यह फिल्म 30 जुलाई, 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का ऐलान पिछले साल मार्च में किया गया था, लेकिन कोरोना महामारी के चलते फिल्म की शूटिंग पूरी नहीं हो पाई थी। पिछले साल अक्टूबर में फिर से फिर से शूट शुरू किया गया है।

अपना बयान दर्ज करवाने पुलिस कमिश्नर ऑफिस पहुंचे ऋतिक रोशन

एक्टर ऋतिक रोशन आज अपना बयान दर्ज कराने मुंबई पुलिस कमिश्नर के दफ्तर पहुंच चुके हैं। आपको बता दें कि कंगना रनौत से जुड़े फर्जी ई-मेल केस में बीते दिन मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच यूनिट द्वारा एक्टर को समन गया था। समन में उन्हें 27 फरवरी को पेश होने के लिए कहा गया था। इसी कारण आज वह अफसरों के सामने हाजिर होने के लिए उनके दफ्तर पहुंचे हैं।

मीडिया में आई ताजा तस्वीर में देखा सकते हैं कि ब्लैक टी-शर्ट, फेस मास्क और कैप पहने हुए ऋतिक मुंबई पुलिस कमिश्नर का दफ्तर पहुंचे हैं। आज पुलिस उनसे कंगना को भेजे को फर्जी ई-मेल के केस में उनका बयान दर्ज करेगी। एक पुलिस ऑफिसर ने बताया कि इस केस में शुरुआती जांच में पाया गया कि कंगना की आईडी से कथित तौर पर ऋतिक रोशन को ईमेल किए गए हैं। इसके बाद कंगना का बयान दर्ज किया गया। हालांकि, ऑफिसर ने बताया कि कंगना ने ऋतिक को ईमेल भेजने की बात से इनकार किया है। ऑफिसर ने बताया कि ऋतिक ने अपना मोबाइल और लैपटॉप महेश जेठमलानी ने मुंबई पुलिस कमिश्नर को एक लेटर लिखकर शिकायत की थी कि केस में कोई प्रगति नहीं हुई है। इसके बाद केस को पिछले साल दिसंबर में क्राइम ब्रांच के क्रिमिनल इंटेलिजेंस

सब्मिट किया था, लेकिन उनमें कुछ नहीं मिला। ये मेल्स साल 2013 से 2014 के बीच भेजे गए थे। इसके बाद साल 2016 में ऋतिक ने कंगना रनौत को लीगल नोटिस भेजा। बताते चलें कि कुछ समय पहले ऋतिक के वकील यूनिट (सीआईयू) को ट्रांसफर कर दिया गया था। कंगना का आरोप है कि ऋतिक उन्हें आपत्तिजनक ई-मेल्स भेजा करते थे जबकि कृष एक्टर का आरोप है कि उनके फर्जी ई-मेल आईडी से कंगना को ये संदेश भेजे गए।

वास्तुकला शिक्षा पर डिजिटलीकरण और प्रभाव

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

प्रौद्योगिकियां पूरे उद्योग को बदल रही हैं। कोविद १९ ने डिजिटलीकरण पर निर्भरता बढ़ा दी है। कई कार्यालयों ने घर से काम और डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग को अपनाया है. अधिक से अधिक पेशेवर अब डिजिटल सॉफ्टवेयर्स, टूल्स और प्लेटफॉर्म को अपडेट करने के लिए तैयार हैं। ऑनलाइन बैठकों (meetings) और रीयलटाइम एकीकृत सॉफ्टवेयर्स ने दक्षता (accuracy) और प्रदर्शन में जारी रहेगा, यह निर्माण से पहले ही वास्तविकता जीवन में उतार देती है। एक तरफ दृश्य प्रतिनिधित्व में अधिक प्रगति दिखाई दे रही है, उसी समय तकनीकी रूप से बेहतर निर्माण चित्र प्रदान करने वाले सॉफ्टवेयर्स पर वृद्धि हुई है। BIM ने डिजिटलीकरण के लाभों को डिजाइन के लिए साबित कर दिया है। BIM की एम्बेडिंग से परियोजना लागत में कमी आ रही है और ग्राहकों के लिए निश्चितता में सुधार आ रही है ।

2020 की थीसिस परियोजना, विनीत जैन, छात्र TSAP द्वारा

आधुनिक शिक्षा "तर्कसंगत प्रौद्योगिकी" " rational technology "की शिक्षा को आगे बढ़ाती है। डिजिटल पुनर्मूल्यांकन ने विभिन्न क्षेत्रों में वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में एक प्रभावी भूमिका निभाई है।

आर्ट और आर्किटेक्चर पर भी इसका स्पष्ट प्रभाव है, जहां डिजिटल वास्तुकला के नए रूप सामने आए हैं। वास्तुकला, शहरी डिजाइन और परिदृश्य डिजाइन के क्षेत्र में नए रुझान दिखाई दिए हैं, उनका दर्शन निर्माण और डिजाइन में प्रभावी भूमिका है, और वे रुझान कंप्यूटर पर प्रारूपण उपकरण के रूप में नहीं बल्कि रचनात्मकता के लिए करते हैं यह वास्तुकला के शिक्षण क्षेत्र में उन सभी के साथ सामना करने के लिए आवश्यक है ताकि स्नातक तैयार करने में सक्षम हो जो मुख्य भविष्य के आधार के रूप में डिजिटलाइजेशन की छतरी के नीचे अपने सभी रुझानों और वास्तु सिद्धांतों के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकें। कई वास्तुशिल्प, निर्माण में, खुद को दूसरों के आगे होने के रूप में देखते हैं, वे भी यही मानते हैं डिजिटल (presentation) में सुधार किया है। शिक्षा संस्थान आज शिक्षण के डिजिटल स्रोतों का पूरा लाभ उठाने के लिए अपरंपरागत सुविधाओं का उन्नयन कर रहे हैं। आने वाले वर्षों में, हम अधिक से अधिक डिजिटल सहयोगी डिजाइन देखने की उम्मीद करते हैं। डिजिटल क्रांति, के बाद से आधुनिक शिक्षा तेजी से परिवर्तन का अनुभव किया है - २ डी को अपनाना, फिर ३ डी कंप्यूटर एडेड डिजाइन, मूविंग भवन निर्माण सूचना मॉडलिंग (BIM) और, निकट भविष्य में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) डिजाइन चरणों से ही ३ डी मॉडल की उपलब्धता के साथ ग्राहक अनुभव (User Experience) में सुधार हुआ है। जिस तरह से आर्किटेक्ट ग्राहकों को डिजाइन पेश करते हैं, वह बदल रहा है, और यह मिश्रित संवर्धित (mixed augmented reality) और आभासी (virtual reality) के रूप बीआईएम (BIM), वास्तु प्रथाओं के उत्पादकता और परियोजनाओं की दक्षता में सुधार लाया है।

प्रोजेक्ट प्रबंधन सॉफ्टवेयर्स जैसे प्राइमेरा (Primevera) और एम। एस। परियोजना (M.S.Office) कई कार्यालयों द्वारा उपयोग की जा रही है।

बड़े पैमाने परियोजनाओं की शुरुआत ने हाईटेक प्रौद्योगिकी और परियोजना प्रबंधन विशेषज्ञता की आवश्यकता को बढ़ाया है। इस वातावरण में, डिजिटल तकनीकें आगे बढ़ने के रास्ते के रूप में उभर रही हैं। शीर्ष शिक्षा संस्थान अब उद्योग के तैयार पेशेवरों को बनाने में उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप पाठ्यक्रम विकसित करने में सक्रिय रुचि ले रहे हैं। विस्तृत पाठ्यक्रम सामग्री मुंबई विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है, अधिक जानकारी के लिए आप tsap.mumbai.in पर देख सकते हैं।

सत्य-प्रेम-करुणा के ऊद्गातासंत मोरारी बापू द्वारा गंगासागर पर कथा गान

पश्चिम बंगाल के सुप्रसिद्ध तीर्थ 'गंगासागर' पर विश्व प्रसिद्ध संत पूज्य मोरारी बापू के श्रीमुख से शनिवार २७ फरवरी से रामकथा का मंगलकारी गान आरंभ हो रहा है। इस स्थान पर बापू की कथा पहलीबार ७ मार्च से १५ मार्च १९९२ दौरान हुई थी। आज २९ साल के लंबे अंतराल के बाद फिर एक बार तलगाजरडी व्यासपीठ दुसरी दफा यहाँ पधारी है।

बापू ने विश्व के १७० से भी ज्यादा देशो में रामकथा का गान किया है। कथा गान के बदले में बापू कभी किसी से कूछ भी नहीं लेते, बल्कि सब को प्यार, प्रसाद और प्रसन्नता बांटते है। बापू विशेषण मुक्त साधु है। कोई पद, पदवी या प्रतिष्ठा की उपाधि अपने आगे पीछे नहीं लगाते।

बापू ऐसे संत है जिस का कोई 'फोलोअर्स' नहीं है। राम कथा के सभी श्रोता, बापू की व्यासपीठ रुपी विश्व वाटिका के 'फ्लावर्स' है। विश्व आज एक ऐसे मकाम पर आ खड़ा है, जहांँ मानव-मानव के बीच, परिवार-परिवार के बीच, एक ही परिवार के सदस्यों के बीच, कौम- कौम के बीच, ज्ञाति-ज्ञाति के बीच, प्रांत- प्रांत के बीच और राष्ट्र-राष्ट्र के बीच वैमनस्य बढ़ता जा रहा है।असहिष्णुता, अन्याय, अभाव और इन सब की वजह से पैदा हुई अमानवीय आक्रामकता और आतंक से विश्व के इन्सान और इन्सानियत- दोनों आफत में है। ऐसे कठिन काल में जगत के ज्योतिर्धर बनकर सर्वत्र उजास फैलाने वाले सत्य-वक्ता एवं सत्य-निष्ठ साधु की आज के विश्व को अत्यधिक आवश्यकता है। हमारे सौभाग्य से ऐसे समय-काल में, गुजरात के एक छोटे से गांव तालगाजरडा के - संत मोरारीबापू ऐसे ही एक साधु है।

मोरारी बापू निर्भीक, निर्भार, निर्वैर, निस्वार्थ, निष्काम और निर्मानी साधु है। सादगी, सौम्यता और संवेदनशीलता का समन्वय अगर आज की दुनिया में किसी एक व्यक्ति में है, तो वह है मोरारीबापू! मानवता के मसीहा के रूप में बापू हमारे साथ हैं, हमारे पास है।

मोरारीबापू के विचार में सत्य है, उच्चार में सत्य है और आचार में सत्य है।

मन, कर्म और वचन से सत्यमय जीवन जीने वाले बापू कभी व्यर्थ वाणी विलास नहीं करते। बापू शब्द को ब्रह्म स्वरूप समझते हैं, इसलिए ज्यादातर वे मौन ही रहते है। बापू का सूत्र है-"कम बोलना, सत्य बोलना, और मधुर सत्य बोलना। ऐसा ही सत्य बोलना, जिसका हम स्वयं आचरण करते हो।"

और ऐसा सत्य सदा ही हमें निर्भयता प्रदान करता है। ऐसा सत्य हमें शुभत्व से भर देता है। बापू का मधुर सत्य किसी को हर्ट नहीं करता, समझदार को अलर्ट जरूर करता है! बापू की बात का स्वीकार हो ना हो, कभी गैरसमझ पैदा नहीं होती। संवाद हो ना हो, विवाद कभी नहीं होता। बापू का सत्य केवल बौद्धिक तर्क पर आधारित ना होते हुए, शास्त्र और स्वानुभूति का प्रमाण होता है!

आप जो भी बोलते हैं, पूरी जिम्मेदारी के साथ बोलते हैं। लेकिन फिर भी आप के वक्तव्य में कर्तृत्व का भाव कभी नहीं होता।

आप दुष्यंतकुमार की इन पंक्तियों को सदा दोहराते रहते हैं कि -

"सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं...।
मेरी कोशिश है कि यह सूरत बदलनी चाहिए।"

बापू के मन में ना किसी से पक्षपात है, ना किसी से पूर्वग्रह। इसलिए आप धर्म जगत में- सभी धर्म के, सभी संप्रदाय के साथ सद्भाव पूर्ण तरीके से पेश आते हैं। सब को नमन करते हैं। सब में जो सत्य है, शुभ है, सुंदर है - उसका स्वीकार करते हैं। इसलिए बापू सर्वप्रिय है, सर्वमित्र है, सर्वसाथी है।

समाज में सही रूप में भावात्मक एकता स्थापित हो, इस लिए बापू रामकथा के माध्यम से गुहार लगाते है।

"मानव-मानव के बीच स्नेह और समभाव का सेतु हो" - यही आप का पैगाम है। और कोई एक समुदाय तक ही आप का यह प्रयास सीमित नहीं है। समाज के वंचित, उपेक्षित, दलित, अभावग्रस्त, तिरस्कृत, अशक्त एवं आखरी इंसान तक - सबको साथ में लिए हुए आप अपनी यात्रा आगे बढ़ा रहे है।

"सर्व भूत हिताय, सर्व भूत प्रिताय, सर्व भूत सुखाय" - कर्म करने की उनकी अथक एवं निरंतर चलती यात्रा है।

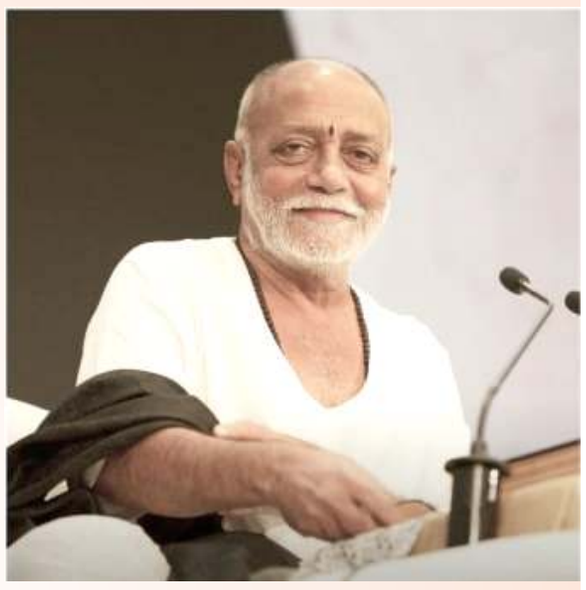

इस नूरानी पुकार जिसके ह्रदय तक पहुंचे, वे सद्भागी लोग उनके साथ जुड़ जाते हैं। और ऐसे शीलवंत साधु की पुकार सुनकर जो वृंदावन की गोपी की तरह दौड़ जाते हैं, वही कदाचित् कुछ पा भी लेते हैं।

शायद यह एक ऐसे अकेले ऐसे साधु है, जो किसी को भी अपना शिष्य नहीं बनाते। वे हमें अपने साथ यात्रा में जुड़ने के लिए निमंत्रित करते हैं - इसलिए नहीं कि उन्हें हमसे कुछ चाहिए! नहीं, कतई नहीं! जहां भी कथा का आयोजन हो, आप अपनी पोथी और माला ले कर पहूंच जाते है। किसी से, कभी, कुछ भी चीज़ या पैसे नहीं लेते। अगर हमें कुछ देना है तो आप का एलान है कि -

"आप मुझे नव दिन दो, मैं आप को नव जीवन दूंगा!"

जग- कल्याण, जन-कल्याण एवं जीव-कल्याण की कामना लेकर बापू सदैव प्रार्थनारत रहते हैं।

ऐसे एक वैश्विक साधु पुरुष - मानवता के मसीहा, इन्सानियत के अग्रदूत और जगत के ज्योतिर्धर- पूज्य मोरारी बापू की व्यासपीठ, गंगासागर के तीर्थ पर नौ दिन तक राम कथा के सुमधुर गान के साथ साथ हरि नाम के संकीर्तन से समग्र पर्यावरण को प्रसन्नता, पवित्रता और प्रेम से परिप्लावित करेगी।

आस्था टीवी चैनल पर और यूट्यूब के माध्यम से हम कथा का श्रवण पान कर सकते हैं। २७/२ शाम ३-३० से ६-३० बजे तक और बाकी के आठ दिन सुबह ९-३० से १-३० तक कथा गान होगा।

अखबार में प्रतिदिन गुजरात के वरिष्ठ पत्रकार मनोज जोशी के संकलन में कथासार प्रकाशित होगा।

पत्रकार
प्रो. डॉ. मनोज जोशी, महुवा

पूज्य मोरारी बापू के मुख से मानस गंगा का शुभारंभ

चले राम लछिमन मुनि संगा।
गए जहाँ जग पावनि गंगा।।
सागर निज मरजादाँ रहहीं।
डारहिं रत्न तटन्हि नर लहहि।।

आज माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर गंगासागर तीर्थ स्थान पर पूज्य मोरारी बापू की ८५६ वीं राम कथा का मंगलाचरण हुआ। कथा में प्रवेश करते पूर्व पूज्य बापू ने कोरोना के सभी नियमों का सावधानी से परिपालन करने की सब को अपील की। गंगा सागर मे स्नान करते समय भी सावधानी बरतने का सब को अनुरोध किया।

कथा के यजमान श्री अरूणभाइ श्रोफ ने कथारंभ पूर्व अपने वक्तव्य में कहा कि हमें मोक्ष की आकांक्षा नहीं है। हम तो सद्गुरु के बताए मार्ग पर चले, यही हमारी धन्यता है। उन्होंने कहा कि एक चींटी अगर मुंबई से गंगासागर आने के लिए नीकले, तो यहाँ तक पहूंचने में तीन चार जन्म बीत जाय। पर अगर वही चींटी किसी प्रवासी के वस्त्र से चीपक जाये तो तुरंत यहाँ तक पहूंच सकती है। ठीक वैसे ही, हमारी कोई औकात नहीं है, हम तो सद्गुरु की कृपा की वजह से ही अपनी यात्रा में आगे बढ सकते है।

पूज्य बापू ने उपरोक्त पंक्तियां को केन्द्र में रखते हुए इस कथा का नाम "मानस गंगासागर" रखा।

बापू ने कहा कि एक युग था, जब गंगा को गंगासागर पर लाने में भगीरथ निमित्त बना था। वह गंगा कैलास से नीकली थी। मानस कथा रुपी गंगा भी कैलास से ही नीकली है। ऐसी राम कथा को गंगासागर पर लाने का भगीरथ कार्य अरुणजीने किया इस बात की प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बापू ने साधुवाद प्रकट किया।

बापू ने कहा कि राम राज्य में किसी को संघर्ष नहीं करना पड़ता। बिना संघर्ष किये ही रत्न प्राप्ति हो जाती है।

गंगा का सागर में समा जाना शरणागति का उत्तम उदाहरण है। शरणागति में संघर्ष नहीं होता। सूफ़ी परंपरा में तो कहते है कि जहाँ आप के बुद्ध पुरुष बैठे हो, वहाँ नहीं जाना। बंगाल की बाउल परंपरा भी कहती है कि जहाँ आप की निष्ठा हो, ऐसे बुद्ध पुरुष से अंतर रखना।

बापू ने कहा कि संपर्क से चार प्रकार के दोष पैदा होते है- निंदा, क्रोध, दंभ और स्पर्धा। अध्यात्म जगत में स्पर्धा दोष है, श्रद्धा गुण है।

बापू ने कहा कि अपनी जीवन यात्रा में अगर कोई एक चीज चूननी हो, तब मैं राम को ही चूनुंगा। राम अस्तित्व है, आनंद है, प्रेम है, जीवन है। हमारा सब का अपना अपना राम होता है।

और राम भी प्रकट रुप में कहाँ मिलते है? इसलिए केवल राम नाम बचना चाहिए। तुलसीदास जी कहते है - "बिस्वास एक राम नाम को"

इसलिए स्पर्धा नहीं, श्रद्धा होनी चाहिए। अध्यात्म की यात्रा में श्रद्धा संबल है। जिस के साथ गुणातीत श्रद्धा हो, साधुचरित् व्यक्ति का संग हो और अपने इष्ट के प्रति-राम के प्रति निष्ठा हो, वही मंजिल तक पहूंच पाते है।

बापू ने कहा कि इस स्थान पर भगवान कृष्ण की तीन विभूति मौजूद है- सागर, गंगा और कपिल मुनि। इस लिए यहाँ पर हम "गंगा सागर" पर संवाद करेंगे।

कथा के क्रम में प्रवेश करते हुए पूज्य बापू ने कहा कि मानस के सात कांड हमें "ग्रंथी मुक्त" कर सकते है। तुलसीदासजी ने राम चरित् मानस के मंगलाचरण में सात श्लोक लिखे है। मंगल उच्चारण से पहले मंगल आचरण होना चाहिये।

तुलसीदासजी ने श्लोक के बाद प्राकृत भाषा में मानस को लिखकर श्लोक को लोक तक पहूंचाने का अपना अवतार कार्य किया है।। बापू ने कहा कि मानस में चार स्थान पर संवाद चलें हैं। कैलास पर शिवजी पार्वती माता को राम कथा सुनाते है, यह परा वाणी है। नीलगिरि पर जहाँ काक भूसंडीजी गरुड़जी को कथा सुनाते है, वह पश्यन्ति वाणी है।

याज्ञवल्क्यजी भरद्वाजजी को जो सुनाते है, वह मध्यम वाणी है। और तुलसीदासजी अपने मन को और साधु समाज को कथा सुनाते है वह वैखरी वाणी है।

तुलसीदासजी ने प्रारंभ में पंच देव की वंदना की है। इस तरह से उन्होंने शैव मत से वैष्णव मत का सेतु रचा है।

गणेश, सूर्य, विष्णु, भवानी और शिवजी - यह पंच देव है। बापू ने कहा कि पांचो देव सद्गुरु में समाविष्ट है।

राम चरित् मानस ने गुरु को विवेक का सागर माना है। विवेक स्वरुप होने से गुरु गणेश है। हमारे जीवन में उजाला फैलाने वाले गुरु सूर्य है। अपने मन ह्रदय की विशालता के कारण गुरु विष्णु है। आश्रित के लिए वह माता-जगत-माता है। और परम कल्याणकारी गुरु साक्षात शिव है।

स्वामि शरणानंदजी कहते है कि "गुरू को कभी व्यक्ति न समजो और व्यक्ति को कभी गुरु मत समजो।"

व्यक्ति के रुप में गुरु नररूप हरि है। गुरु व्यक्ति नहीं है - तख्ती है-साइन बोर्ड है। गुरु ऐसा तीर है जो हमें सही मार्ग पर ले चलते है।

हमें किसी ऐसे चरण की जरूरत है, जो कभी भटके न हो, और कभी हमें भटकाये भी ना!

बापू ने कहा कि विषाद तीन प्रकार के होते है। हमारी सम्यकता छूट जाने से अतिशय विषय में हम डूब जाते है। यह "विषय विषाद" है। दुसरा - ऐसी स्थिति आ जाती है कि आदमी सह नहीं पाता, उस के लिए "विषाद विषम" कहते है। और तीसरा विषद विषाद है- यह विष जैसा विषाद है, जो साधक को मार देता है। तीनों प्रकार के विषाद से गुरु कृपा के प्रसाद से मुक्ति मिलती है।

आदमी की बुद्धि नष्ट नहीं हुई, भ्रष्ट हुई है। बुद्धि का बहुत दूरूपयोग हो रहा है। अगर हम में विवेक द्रष्टि हो, तो सब वंदनीय लगते है। गुरु कृपा से प्राप्य विवेक से तुलसीदासजी सज्जनों के साथ दर्जन, खल, शठ... सब की वंदना करते है।

जब तक दुसरा वंदनीय न लगे और निंदनीय लगे, तब तक समजना कि हमारी द्रष्टि अभी तक शुद्ध नहीं हुई है, द्रष्टि में दोष है।

बापू ने कहा कि संपति नाशवंत है जब कि संपदा शाश्वत है। साधु की संगत हमारी संपदा है। संपत्ति विपत्ति लाती है। संपदा से विपत्ति दूर होती है। दैवी संपदा का प्रथम चरण अभय है। सत्य की संतान का नाम अभय है। प्रेम की संतान का नाम त्याग है। और करुणा की संतान का नाम अहिंसा है।

वंदना प्रकरण में श्री हनुमानजी की वंदना के साथ पूज्य बापू ने अपनी वाणी को विराम दिया।

पत्रकार
प्रो. डॉ. मनोज जोशी, महुवा

KAANT FOODS®

Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.

20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

मोरारी बापू की वैश्विक व्यास वाटिका के समर्पित फ्लावर श्री अरुणभाइ श्रोफ परिवार

गंगासागर कथा के यजमान अरुणजी का परिवार

संत मोरारी बापू एक ऐसा प्रात:स्मरणीय नाम है, जो आध्यात्मिक ऊंचाई के गिरि-शिखर पर होते हुए भी, सदैव बिल्कुल धरा तल से जुड़े रहे है। अपनी १४ साल की उम्र से आपने रामचरित मानस का कथा गान आरंभ किया था। शैशव काल से ही आप को रामनाम की शिक्षा - दिक्षा आप के दादाजी पूज्य त्रिभोवनदासबापू से मिलीं। पूज्य मोरारी बापू ने अपने सद्गुरु से दो अमूल्य चीज प्रसाद के रुप में पाई - एक पोथी - माने रामचरित मानस और दुसरी - सद्गुरु की चरण पादुका!

पूज्य बापू ने इस प्रसाद को अपने जीवन की अमर ज्योति के रुप में स्थापित किया। और इस ज्योति के उजाले में अपनी अध्यात्मिक यात्रा का आरंभ किया। बापू अपने गुरु प्रसाद को राम कथा के माध्यम से विश्व भर में बांट रहे है। छह दशक से आप जग कल्याण हेतु हरिनाम संकीर्तन से भावको के जीवन में खुशियां भर रहे है। अपनी साठ साल की जीवन यात्रा में से आप ने जाना कि विश्व के कोई भी धर्म, कोई भी उपासना पद्धति हो, आखीर में मनुष्य को सत्य, प्रेम और करुणा की ही दिक्षा देती है। कहीं से भी यात्रा का आरंभ हो, पहूँचना तो इस त्रिवेणी पर ही है।

अपने कथा गान से बापू श्रोताओं को सत्य, प्रेम और करुणा की पहचान करवाते है। जो लोग बापू को पहचान पाएं, उन्होने पाया कि बापू की बानी में सत्य है, नेत्रों में प्रेम है और ह्रदय में करुणा है।

बापू किसी को भी अपना शिष्य नहीं बनाते। आप किसी के भी गुरु नहीं है। न किसी को मंत्र दिक्षा देते है, ना ही किसी से गुरु दक्षिणा स्वीकार करते है। आप के कोई शिष्य नहीं है - सभी श्रोता है। जिनको बापू व्यासपीठ के फ्लावर्स कहते है। 'फोलोअर्स' नहीं, 'फ्लावर्स' - बापू इस वैश्विक व्यास वाटिका के माली है। जो प्रत्येक फ्लावर खीलें और खुशबूदार हो, इस के लिए राम कथा के गान से प्रयास करते है और प्रेम का प्रसाद बांटते है।

बापू किसी के भी करीब नहीं है, फिर भी कोई बापू से दूर नहीं है। बापू सब के है और सब बापू के है। सब से एक प्रामाणिक अंतर रखकर बापू सब के साथ है। सब से जुड़े हुए, फिर भी सब से बिलग!

ऐसे परम संत के श्रीमुख से गंगासागर की पावन भूमि पर कथा गान हो रहा है। कथा के यजमान है - श्री अरूणभाइ श्रोफ। बापू की कोलकता की कथा से आप बापू की साधुता, सादगी, सच्चाई और समता से भरे व्यक्तित्व और वक्तव्य से व्यासपीठ के आश्रित हो गये। १९९८ में आप बापू से मिलें, बापू के स्वभाव से परिचित हुए और आपने कथा के यजमान बनने का मनोरथ बापू के सामने विनय से प्रस्तुत किया। बापू ने २००२ में जगन्नाथपुरी में अरूणभाइ को यजमान बनने का अवसर दिया। तभी से अरूणभाइ का पुरा परिवार पूज्य बापू की व्यासपीठ के फ्लावर्स के रुप में अपनी खुशबु से आश्रित धर्म निभाने की कोशिश कर रहे है।

अरूणभाइ कहते है कि "बापू के बारे में शब्दों से कुछ भी कहना मुमकिन नहीं है। बापू को सिर्फ महसूस किया जा सकता है।"

श्रोफ दंपती की तीन बेटियां और तीन दामाद - श्री अभिषेक पोद्दार, श्री ऋषभ खण्डेलवाल और श्री आनन्द पोद्दार-तीनों आप के दामाद - सभी व्यासपीठ के आश्रित है। जब और जहां भी मौका मिले व्यासपीठ की सेवा करने में धन्यता का अनुभव करते है।

अरुणजी कहते है -

"माना कि औरों के मुकाबले कुछ ज़्यादा पाया नहीं मैंने।
पर खुश हूं की खुद को गिरा कर कुछ उठाया नहीं मैंने।"

पर हम तो यह कहेंगे कि अरुणजी ने पूज्य बापू की कृपा के रूप में सब कुछ पा लिया है, अब आप को इससे ज्यादा कुछ पाने को बाकी नहीं बचा!

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।